amaan.cooldude18
राज
कॉमिक्स
विशेषांक
संख्या 05
नगीना का
जाल
इस विशेषांक के साथ
एक आकर्षक स्टीकर
मुफ्त

amaan.cooldude18
नागराज और नगीना का जाल
कहानी: संजय गुप्ता
सम्पादन: मनीष चंद्र गुप्त
चित्रांकन: प्रताप मुळीक
विश्व आतंकवाद का दुश्मन नागराज नागमणि द्वीप पर महात्मा कालदूत के सामने बैठा था—
महात्मा कालदूत! कृपया मुझे बताएं, मुझे एकदम अचानक द्वीप पर बुला लेने का क्या कारण है?
जरूर नागसम्राट नागराज! सुनो सैकड़ों वर्ष पहले जब मैं इस द्वीप पर पहुंचा यहां तीन जातियों का राज था जो अत्यंत क्रूर थी और सदा एक-दूसरे से लड़ती रहती थीं।
बिच्छू: थड़े: यह जाति अत्यंत खतरनाक व लड़ाकू जाति थी।
सरदार, आज हमने दस मकड़ों के सिर काट डाले।
शाबाश!
मकड़ा खाद्: यह जाति बेहद जहरीली और घातक थी।
सरदार! हमने बिच्छुओं की एक बस्ती आज फूंक डाली।

केकड़ा कंट : यह जाति समुद्र किनारे छुपकर रहती थी और बाकि दोनों जातियों पर छुपकर वार करती थी।

हा हा हा यह बिच्छुओं और मकड़ों का मांस कितना स्वादिष्ट है।

खट खट

मैंने इस द्वीप को इच्छाधारी नागों के लिए बेहतरीन पाया—

यहां इच्छाधारी नागों के लिए प्रचुर मात्रा में भोजन भी था। और इन तीनों जातियों का विनाश कर हम दुनिया की नजरों से भी दूर सुरक्षित रह सकते थे।

फिर मैं इस द्वीप की सबसे ताकतवर जाति बिच्छू-धड़ों के बीच मिल गया।

इसके लिए मुझे अपना रूप बदलना होगा।

अपना रूप बदल कर जल्दी ही मैं उन में घुलमिल गया—

सरदार! आज मैं अकेला ही तीस मकड़ों के सिर लाया हूं।

वाह! जब से तुम आये हो, मकड़ों में आतंक फैल गया है।

और एक दिन जब सभी बिच्छू शिकार पर गए हुए थे—

सरदार! आज तुम्हें मुझ से युद्ध करना होगा।

क्या बक रहा है तू? होश में नहीं है क्या?

सरदार गरजा—

तू जानता नहीं सरदार बिच्छू धड़े से बलवान इस द्वीप पर दूसरा नहीं है।

मैं तो जानता हूं, किन्तु तुम नहीं जानते मुझे।...
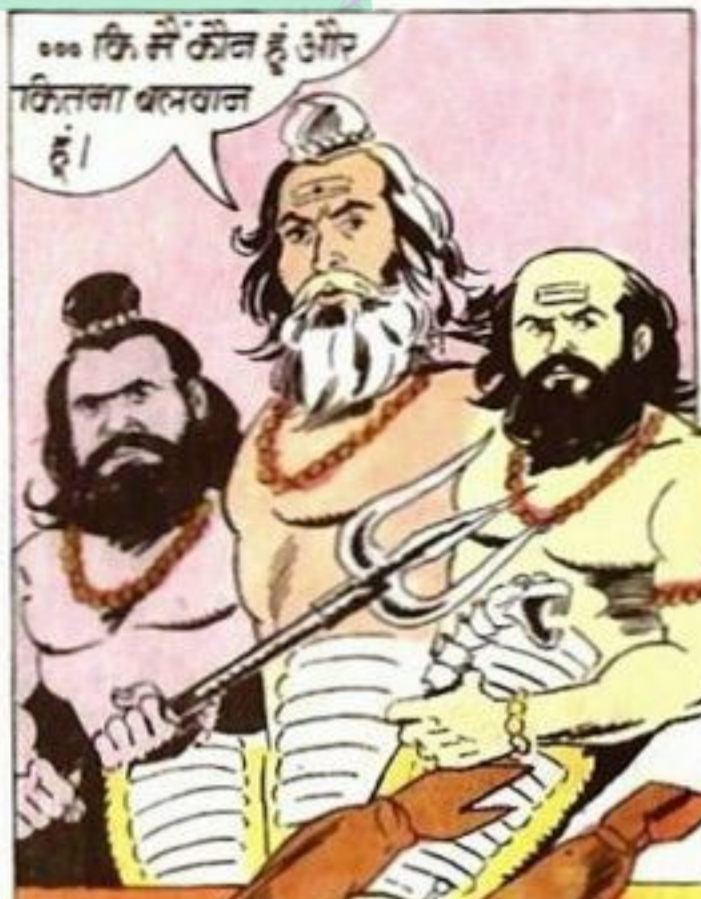
...कि मैं कौन हूं और कितना बलवान हूं।
मैं उस पर टूट पड़ा—
हाय! यह क्या बला है?
उसने हाथ सीधे किए—
यह बिच्छू जाल तुम्हें कैद कर लेगा अजनबी दुश्मन!
उन असंख्य बिच्छुओं ने मुझे घेर लिया—
उफ़ इन बिच्छुओं के जहरीले डंक एक अति जहरीला नाग होने के कारण मैं तो सह गया साधारण नाग तो कब का मर जाता।
मैंने कालसर्पी को आदेश दिया।
कालसर्पी! इन बिच्छुओं का नाश करो।
कालसर्पी ने मेरे शरीर पर चिपके प्रत्येक बिच्छू को चूस लिया।
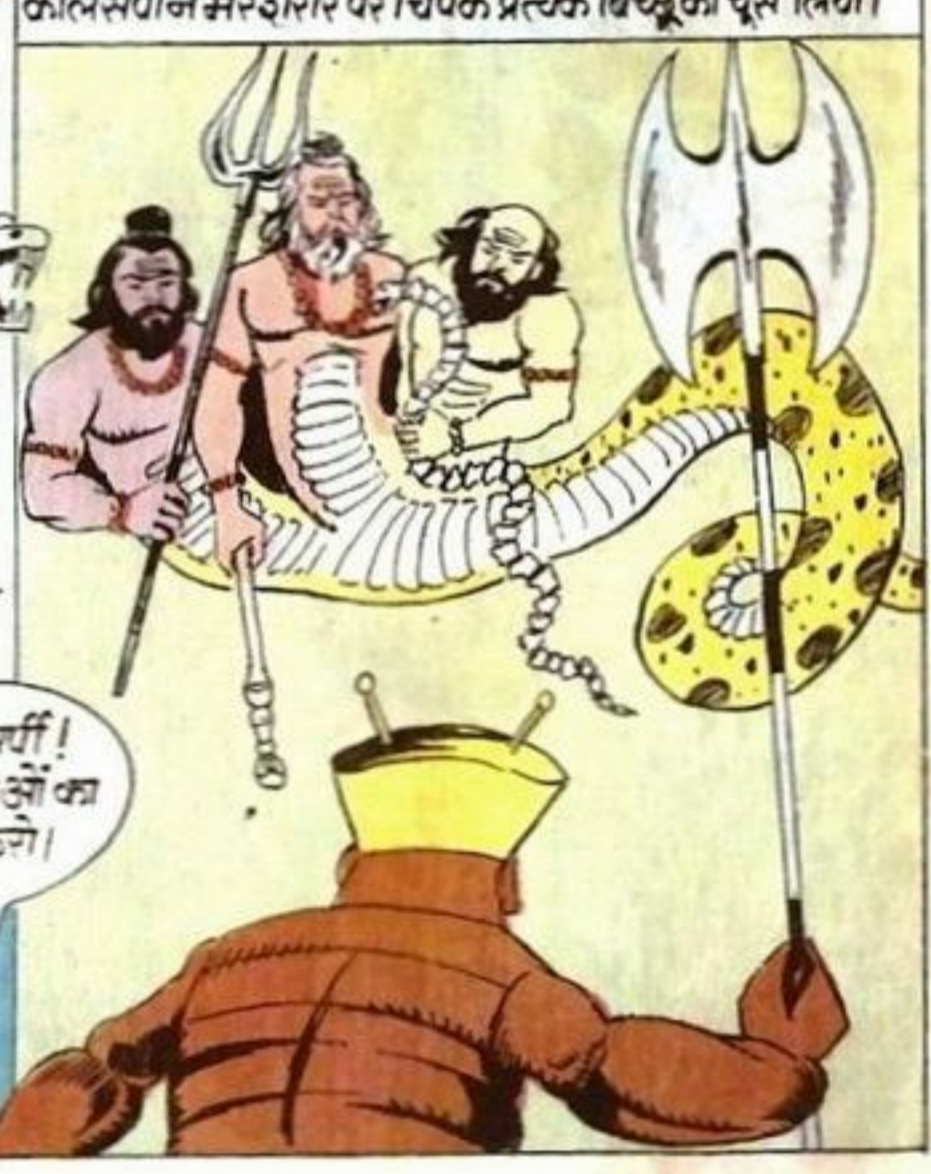
बहुत जांबाजी से लड़ा सरदार बिच्छू धड़ा—
किन्तु मेरे सामने उसकी शक्ति नगण्य थी।
सो मैंने जल्दी ही उसे कैद कर लिया।
तुम्हें अपनी करनी का फल भुगतना होगा अजनबी दुश्मन।
अब तू मेरी गुप्त गुफा में कैद रहेगा।
उसके बाद मैं उसे गुफा में कैद कर आया।
फिर सरदार बिच्छू धड़े का रूप धरकर मैं कबीले पर राज करने लगा—
कल रात एक बड़ी लड़ाई लड़ी जाएगी। इस द्वीप पर अब हम रहेंगे या मकड़े।
हां, हां, बड़ी लड़ाई!
बड़ी लड़ाई।
मकड़ों की बस्ती में भी बड़ी लड़ाई का ऐलान हो गया।
मकड़े या बिच्छुओं में से एक।
बड़ी लड़ाई! बड़ी लड़ाई!
और जैसा मैंने सोचा था।
बड़ी लड़ाई में जो भी जीतेगा उस पर पीछे से हमला बोल देंगे हम।

बड़ी लड़ाई हुई –

बेहद घमासान युद्ध –

मैंने लड़ाई के दौरान सरदार मकड़ा स्वादू को बंदी बना लिया।

सरदार मकड़ा! अब इस द्वीप पर तुम्हारी जाति का अन्त हो गया समझो।

मैं तुम्हें देख लूंगा सरदार बिच्छू!

फिर मैंने उसे भी गुप्त गुफा में कैद कर दिया।

बड़ी लड़ाई में बिच्छुओं की जीत हुई –

हा हा हा हमने सभी मकड़ों को चुन-चुन कर मौत के घाट उतार दिया।

बड़ी लड़ाई में जीत हमारी हुई। अब इस द्वीप पर केवल बिच्छू रहेंगे।

जीत की खुशी में वे सब मस्त थे।•••

••• कि तभी पीछे से केकड़ों ने उन पर आक्रमण कर दिया।

बड़ी लड़ाई तुमने नहीं हमने जीतनी है।

इस द्वीप पर केवल केकड़े रहेंगे।

केकड़े जब जश्न मना रहे थे मैं अपने असली रूप में उनके बीच पहुंचा-
कौन हो तुम अजनबी! इस द्वीप पर पहली बार नजर आये हो।
मैं हूं कालदूत महान, सरदार बिच्छू और सरदार मकड़ा दोनों मेरे कब्जे में हैं और अब तुम्हें और तुम्हारी जाति को भी यह द्वीप छोड़ना पड़ेगा, क्योंकि अब यहां इच्छाधारी नागों का राज होगा।
वह आसानी से मानने वाला नहीं था-
तुम्हें मुझ से युद्ध करना पड़ेगा।
युद्ध स्वीकार।
बहुत बलशाली था सरदार केकड़ाकंट किन्तु-
मेरी जहरीली फुफंकार यह नहीं सह पायेगा और बेहोश हो जाएगा।
सरदार की यह हालत देख सभी केकड़े वहां से भाग खड़े हुए।
अब गुप्त गुफा में तीनों सरदार कैद हो चुके थे-
अब मैं नाग तांत्रिका इच्छाधारी नागिन नगीना को योग साधना से यहां बुलाऊंगा।
कुछ देर की कोशिशों के बाद-
महात्मा कालदूत आंखें खोलें। मुझे बुलाने का प्रयोजन बताएं।
नाग तांत्रिका नगीना मेरे सामने उपस्थित थी।
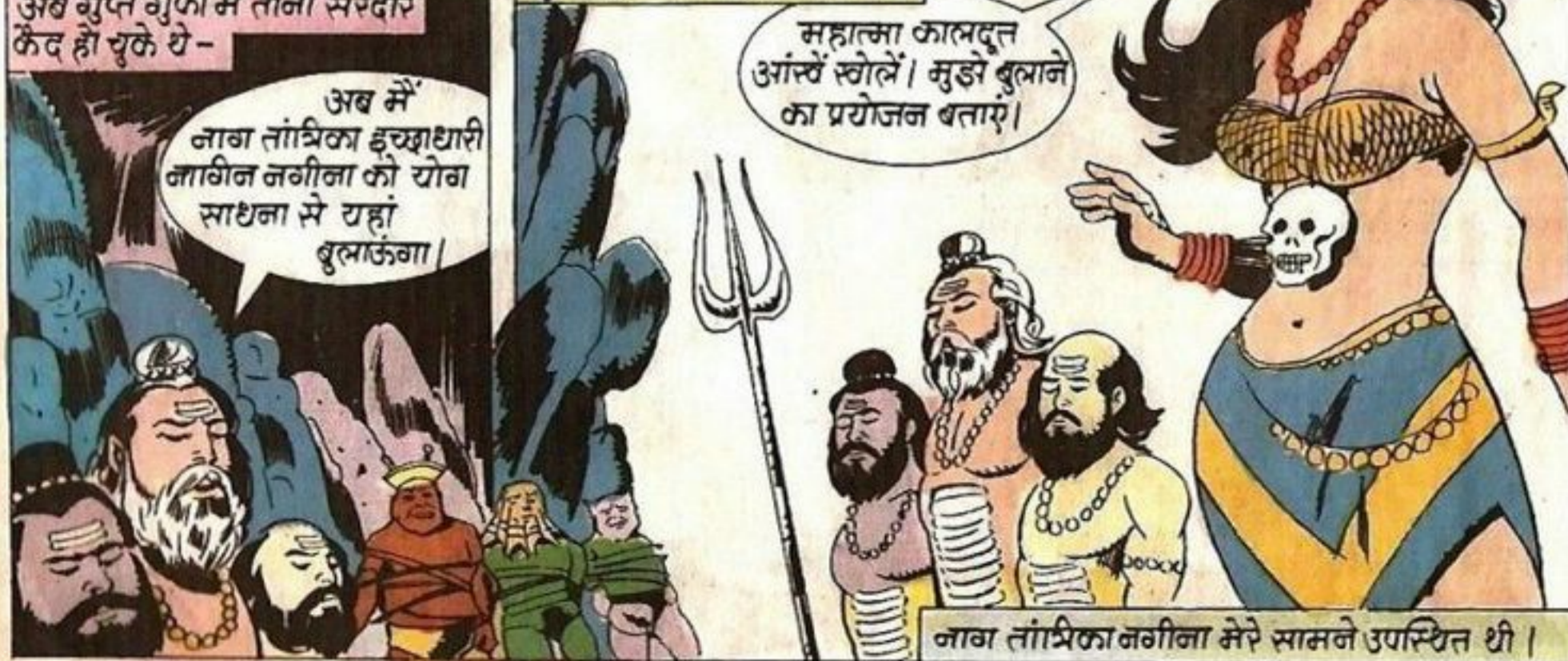
आओ नगीना, स्वागत है। तुम्हें इस द्वीप को बसाने में मेरी मदद करनी होगी।
कैसी मदद?
मैं इस गुफा में रहकर इस द्वीप पर पूरे विश्व से इच्छाधारी सांपों को बुलाऊंगा। उन सांपों की सुरक्षा व उन्हें बसाने का कार्य तुम्हें सम्पन्न करना है।
जरूर महात्मा कालदूत मैं सहर्ष यह कार्य करूंगी।
मैं इच्छाधारी नागों की सम्राज्ञी बन जाऊंगी। वाह!
किन्तु उसके मन के इस मैल का मुझे तब पता नहीं चला था।
द्वीप पर इच्छाधारी नागों का आगमन शुरू हुआ।
वाह! कितनी सुन्दर जगह है।
बेशक महात्मा कालदूत ने बहुत अच्छा स्थान चुना है।
और सुरक्षित भी।
नगीना ने उनकी मदद की—
और सुरक्षा भी—
खबरदार जो फिर इधर आए। मेरे रहते इन नागों का कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता।
इस सुरक्षा भावना ने इच्छाधारी नागों के मन में नगीना का सम्राज्ञी वाला रूप बना दिया।
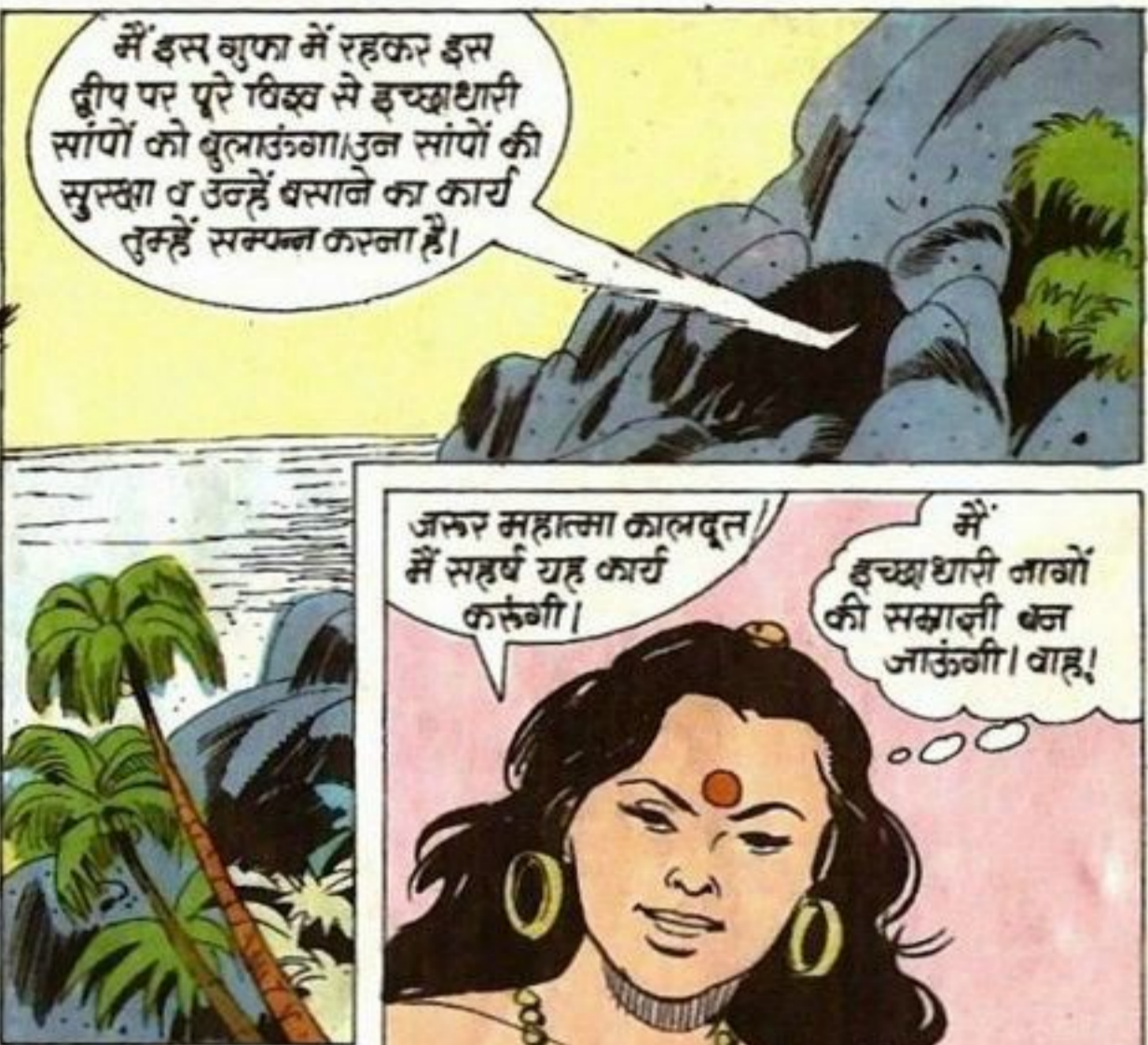
और नागों की संख्या बढ़ने के साथ-साथ वह बन बैठी द्वीप की सम्राज्ञी।
महारानी नगीना, यह द्वीप के नये मेहमान हैं।
इच्छाधारी नाग द्वीप की रानी नगीना आपका स्वागत करती है।
अगर ऐसा ही चलता तो ठीक था—
किन्तु—
हा हा हा रोज एक इच्छाधारी नाग की बलि और उसका लहू पीने से मेरी तांत्रिक शक्तियों में बढ़ोत्तरी होती है।
वह लहू पिशाचनी बन बैठी।
मुझे देर से ही सही इसका आभास हुआ।
हू हं
पिशाचनी! तूने पूरी इच्छाधारी नाग जाति को धोखा दिया है। अब तू यहीं कैद होकर रहेगी।
फिर मैंने विसर्पी के पिता मणिराज के दादा विषराज को इस द्वीप का राजा बनाया।
बोलो राजा विषराज की...
जय
विसर्पी के पिता मणिराज के बारे में जानने के लिए पढ़ें नागराज का अभूतपूर्व कॉमिक्स—"प्रलयंकारी मणि"
द्वीप पर नागमंदिर का निर्माण हुआ।
और द्वीप का नाम करण हुआ।
आज से इस द्वीप का नाम 'नागमणि द्वीप' होगा।
और अब मैं करूंगा गुफा में तपस्या।
इधर कालदूत नागराज को नागमणि द्वीप की कहानी सुना रहा था...
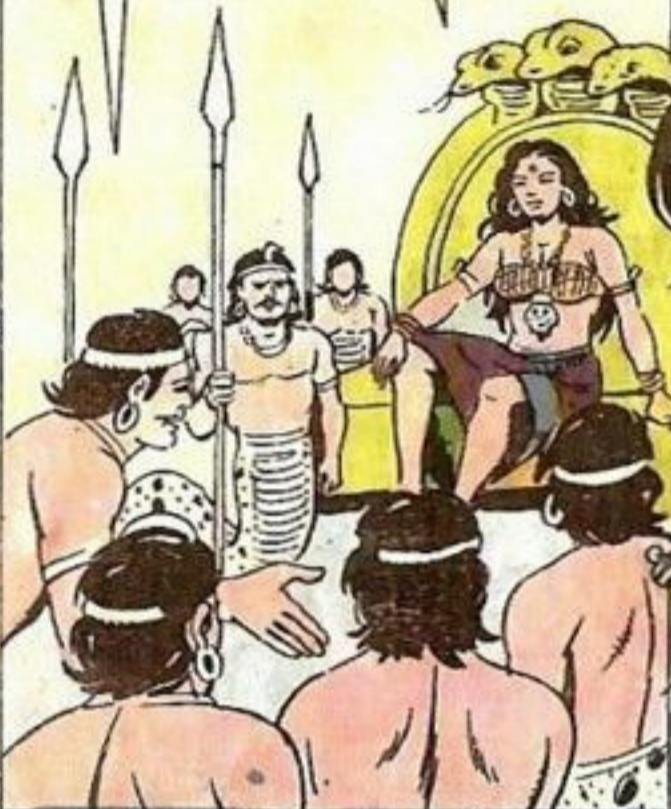
इधर पूरे विश्व पर छाया हुआ था एक नया आतंक —

आ गया स्नोकी।

आ गया स्नोकी।

यह अजीबो गरीब आवाजें लगाता एक आदमी पेरिस की सड़कों पर घूम रहा था।

ब्रिटेन में —

आ गया स्नोकी। आ गया स्नोकी।

लोगों की भीड़ उसके पीछे-पीछे चलने लगी।

विश्व के सभी बाजारों का यही हाल था —

स्नोकी लेलो, स्नोकी।

क्या है यह स्नोकी?
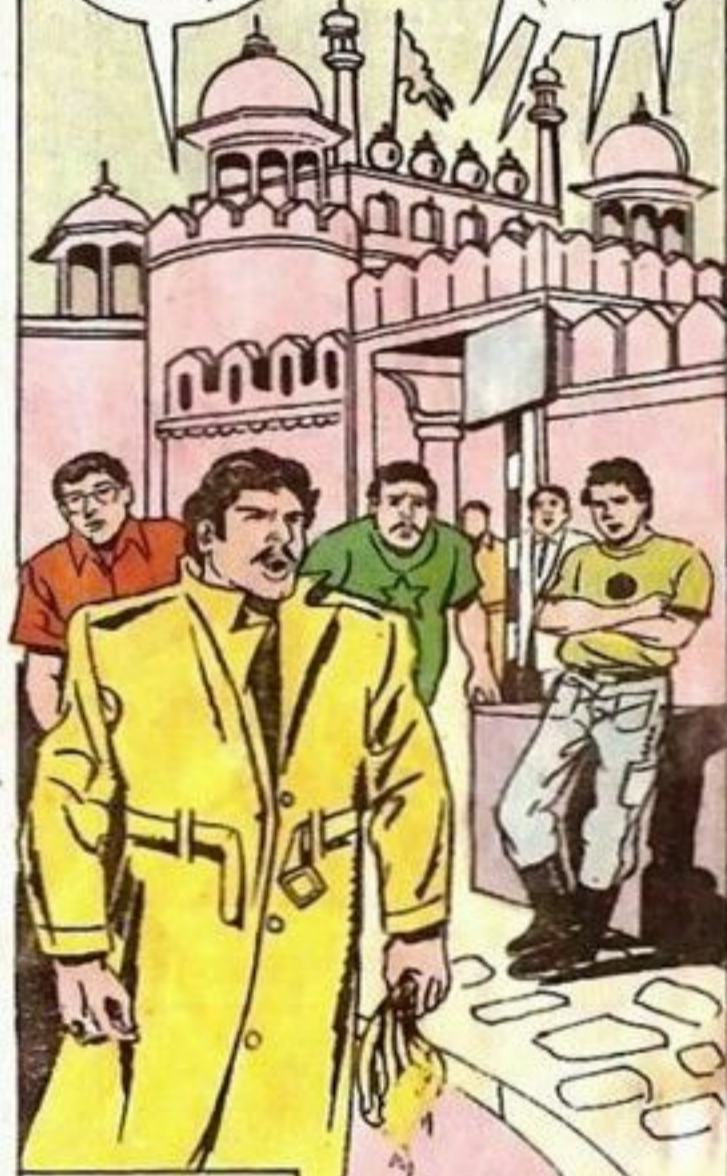
हर व्यक्ति उसके लिए उत्सुक था।

जल्दी ही भीड़ ने उसे घेर लिया।

एक मुझे।

मुझे भी।

मुझे भी

दो मुझे।

कुछ ही क्षणों में सब माल बिक गया —

वाह! खूब बिका स्नोकी।

आज हमने ग्राहक ढूंढे।

कल स्नोकी के नशे को तड़पते लोग हमें ढूंढेंगे, क्योंकि एक स्नोकी केवल एक बार ही काम आता है।

वाकई अगले दिन सम्पूर्ण विश्व में तहलका मच गया–
हमें स्नोकी चाहिए।
मुझे स्नोकी दो।
स्नोकी स्नोकी मैं मर जाऊंगी। I WANT SNOKIE
परेशान लोगों ने उन ओवरकोट वालों को बहुत ढूंढा किन्तु वे ना मिले।
स्नोकी। स्नोकी।
स्नोकी।
स्नोकी।
स्नोकी
स्नोकी
स्नोकी
ONLY SNOKIE
WE WANT SNOKIE
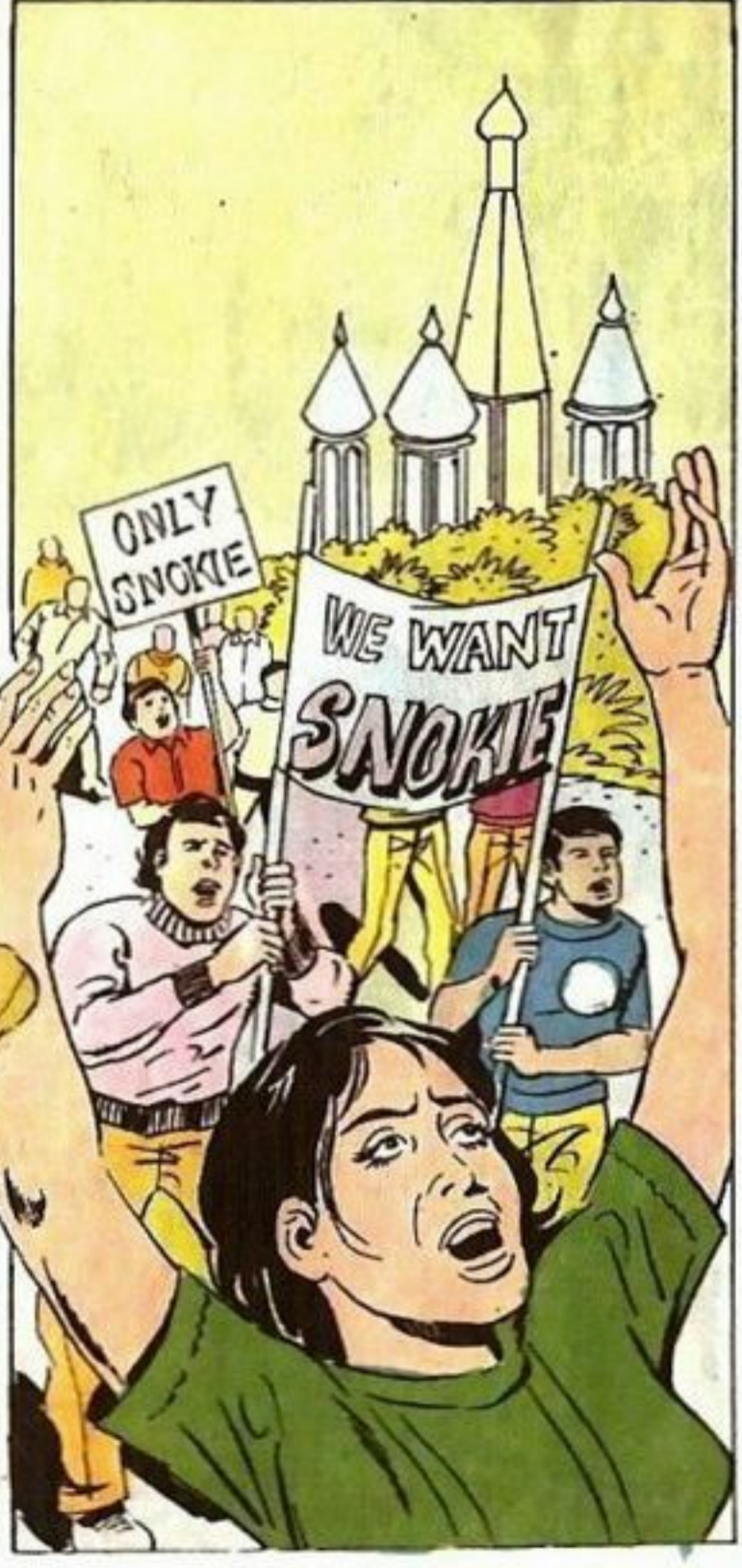
पुलिस विभाग में तहलका मच गया।
मैं पूछता हूं, क्या है यह स्नोकी। कहां सो रहे थे आप लोग जब यह बिक रहा था।
सर! मौके पर तैनात हमारे सिपाही भी स्नोकी ले रहे थे, इसीलिए...
शट अप!

मुझे कल हर हाल में स्नोकी बेचनेवाला वह शैतान मिलना चाहिए।
जरूर सर!

शहर में रेड अलर्ट लागू हो गया।
सभी ओवरकोट वालों की चेकिंग होगी।

नतीजा निकला भी।
ओह
एक स्नोकी बेचने वाला पकड़ा भी गया।

किन्तु सभी सांप कुछ ही मिनटों में इधर-उधर हो गए
ये क्या था?
मुझे तो पता नहीं?
और साफ बच निकला ओवरकोट वाला। यही तो फायदा था स्नोकी बेचने वालों को। पुलिस के हाथों कोई सबूत न लगा।

किंग कोबरा सिंडीकेट —
KING COBRA SYNDICAT
किंग कोबरा! माल कोबरा क्लाउड्स में पहुंच गया है।
ठीक है कोबरा गार्ड, हम अभी माल देखने चलते हैं।
क्या था वह माल जो कोबरा क्लाउ ड्स में उतरा था।
वाह! इस बार तो बहुत माल हाथ लगा। शाबाश, किंकोसी को बुलाओ।
SNAKES SNAKES and SNAKES
इतने सांपों का क्या करना चाहता था किंग कोबरा।
किंकोसी यानि किंग कोबरा सिंडीकेट का सेनापति।

■ प्रोफेसर नागमणि के बारे में जानने के लिए पढ़ें – नागराज, नागराज का दुश्मन व इच्छाधारी नागराज।

••• उस दिन नागराज के नाग नागानंद ने मुझे डस लिया था।
••• यह देख नागदंत मुझे बचाने के लिए मेरी तरफ बढ़ा।•
नहीं आका नहीं। मैं तुम्हें मरने नहीं दूंगा। तुम्हारा सारा जहर चूस लूंगा।
आह। अब मैं नहीं बचूंगा।
••• उसने मेरे मस्तक से विष चूसने की चेष्टा की•••
म•• मैं नहीं बचूंगा•• नाग•• आह•• जीवन भर सांपों पर मैंने खोज की और मेरा अंत भी हुआ तो जहर से आह••
नहीं, आका।
••• किन्तु तभी नागराज ने उसकी पीठ पर ठोकर जड़ दी•••
••• और नागराज नागदंत को पीटता हुआ•••
••अपने साथ ले गया।••
नागमणि मारा गया और नागदंत मेरे कब्जे में आ गया।
••वे यही समझ रहे हैं कि मैं मर चुका हूं।••

...किन्तु नागराज के निकलते ही आप वहां पहुंचे...
किंकोसी! प्रोफेसर नागमणि को उठाकर ले चलो। यह मरने नहीं चाहिए। हमें इनकी बहुत जरूरत है।
...और आपने मुझे वहां से निकाल लिया....
...मेरा हैडक्वार्टर धमाके से तबाह हो गया...
डाक्टर पिकालो! हमें नागमणि जिन्दा चाहिए। इसके शरीर का पूरा जहर खींच लो।
...डाक्टर पिकालो की दवाओं और आपकी मेहरबानी से मैं आज जिन्दा हूं।
और अब मैं, अपने आविष्कार 'स्नोकी' से पूरे विश्व में तहलका मचा दूंगा। नागराज भी अब कुछ न कर पायेगा।
हा हा हा
'स्नोकी' वाकई तहलका मचा चुका था।
और नागराज वह महात्मा कालदूत की समस्या सुन रहा था।
ओह! महात्मा कालदूत। नागमणि द्वीप का इतिहास तो बहुत रोचक है।
हां और अब सुनो। तुम्हें यहां बुलाने का असली कारण।
क्या था असली कारण?

चारों कैदियों को जिन्हें मैंने गुफा के तहखाने में कैद कर रखा था वे...
...जाने कब और कैसे वहां से गायब हो चुके हैं?
क्या आपके कैदी फरार हो गए! कमाल है।
हमने पूरे द्वीप पर उन्हें खोज लिया। वे अब यहां नहीं हैं।
मैंने नगीना से सम्पर्क करने की कोशिश की, किन्तु वह तंत्र शक्ति से ओझल हो गई।
महात्मा कालदूत की उम्र सभी इच्छाधारी नागों से ज्यादा है—कई हजार साल।
और तुम्हें उन्हें खोजना होगा। यह बहुत आवश्यक कार्य है। विश्व के लिए बहुत बड़ा खतरा हैं वे।
मैं यह कार्य करूंगा महात्मन्!
नागराज! इस कार्य में मैं चाहूंगा कि तुम इन पांचों को भी अपने साथ रखो।
किन पांचों को?
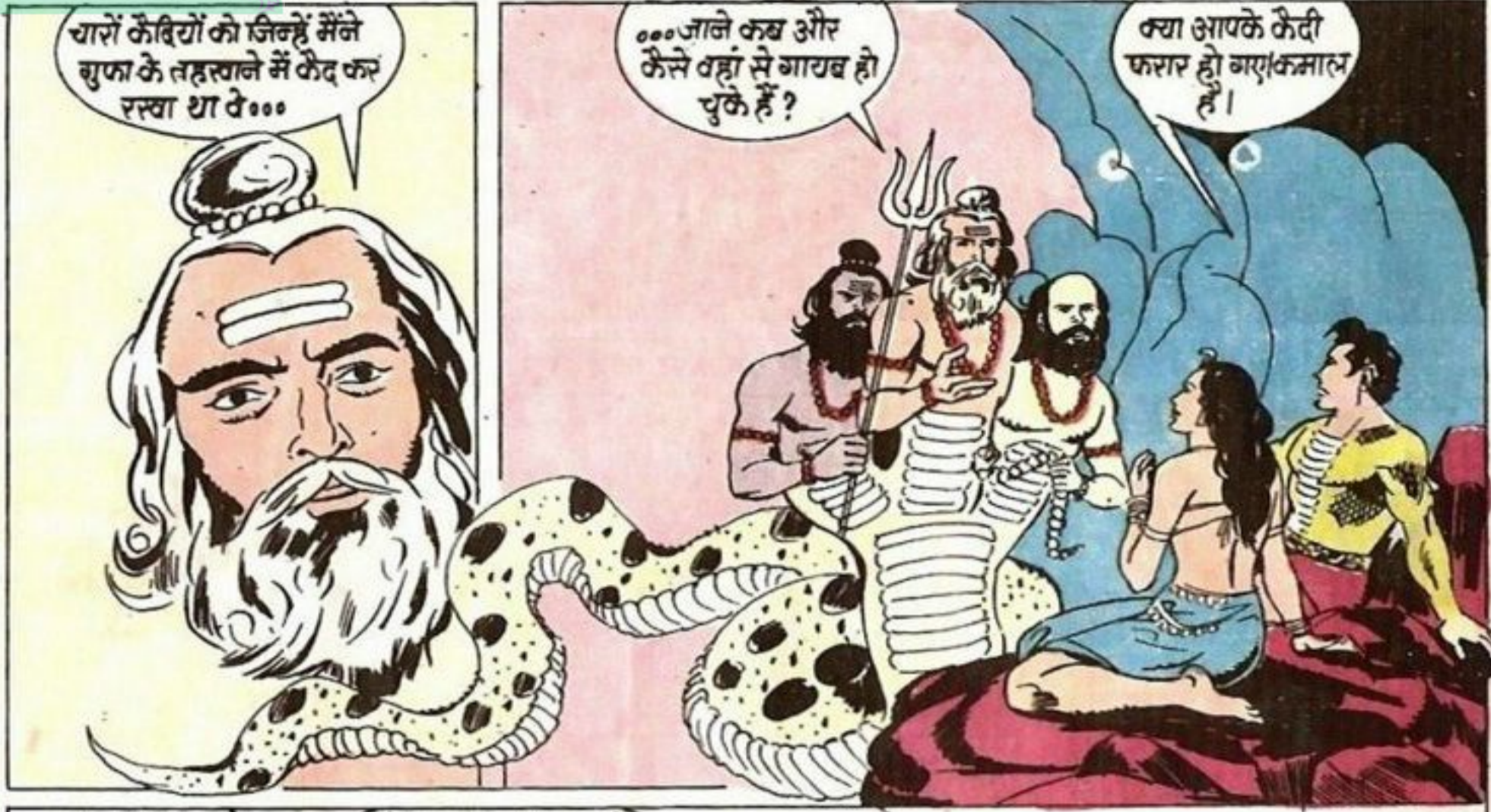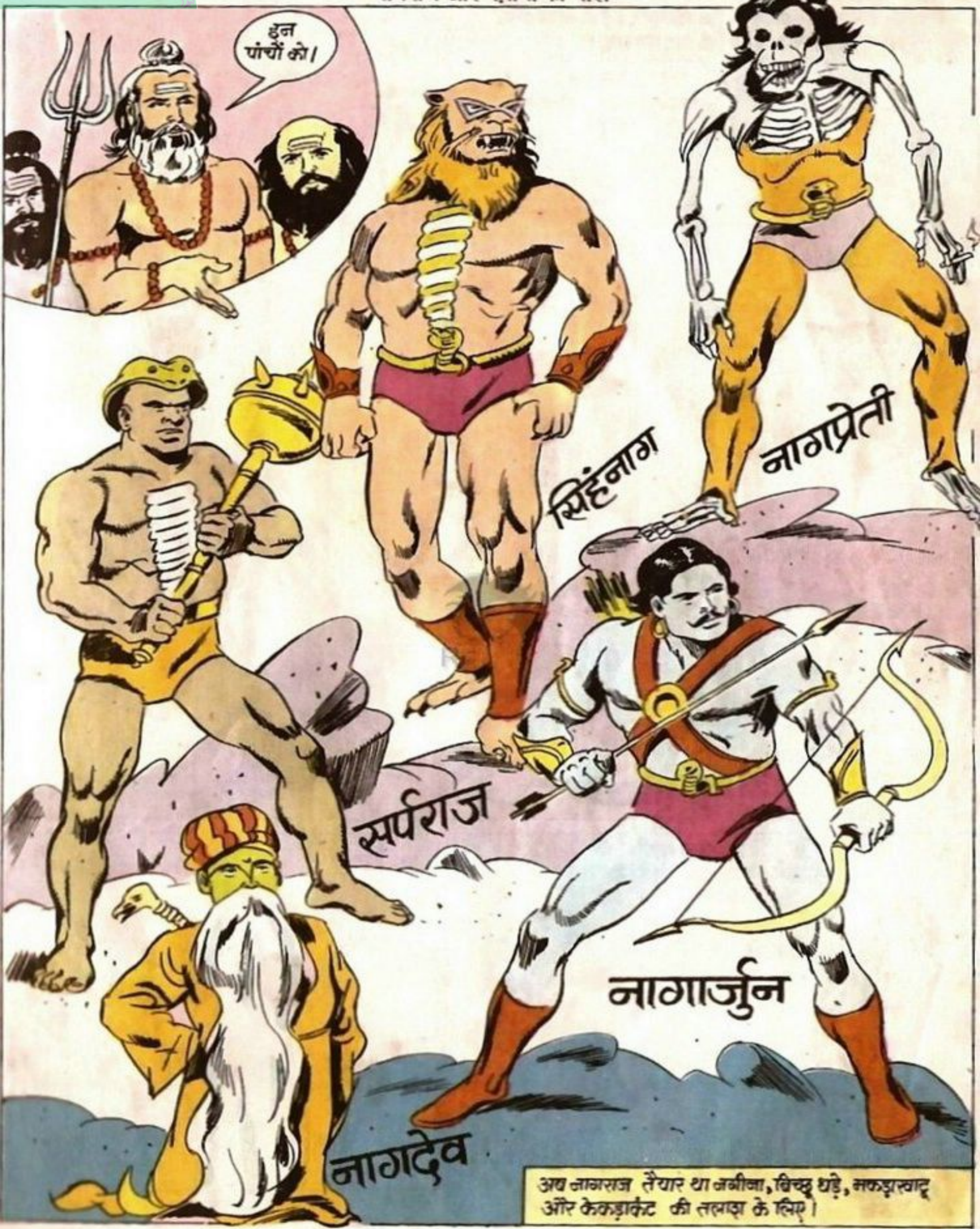
इन पांचों को।
सिंहनाग
नागप्रेती
सर्पराज
नागार्जुन
नागदेव
अब नागराज तैयार था नगीना, बिच्छू घड़े, मकड़ास्वाद
और केकड़ाकंट की तलाश के लिए।

किंग कोबरा क्लाउड्स – बादल के एक विशाल टुकड़े के अंदर बना किंग कोबरा का अनूठा विज्ञान का एक अद्‌भुत नमूना।

किंग कोबरा आपके आदेशानुसार मैं नगीना को ढूंढ लाया हूं।

शाबास! किंकोसी! बुलाओ उसे, वह कहां है?

किंकोसी ने नगीना को पेश किया –

कोबरा क्लाउड्स में तुम्हारा स्वागत है।

धन्यवाद किंग कोबरा!

नगीना! हम चाहते हैं कि आज से तुम हमारे लिए काम करो।
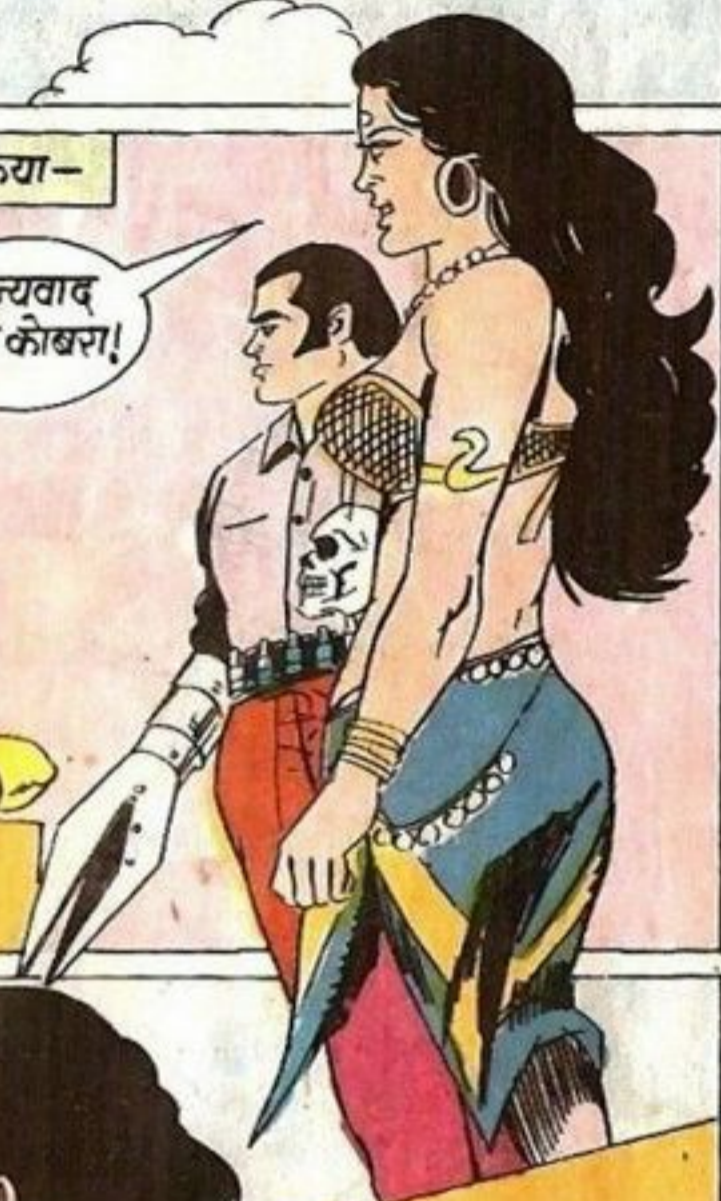
मुझे बहुत खुशी होगी आपके किसी भी काम आकर।

फिर किंग कोबरा उन्हें उनका काम समझाने लगा।

दिल्ली के शानदार होटल ताजपैलेस के छः शानदार मेहमान —
नागदेव के लिये एक बाल्टी दूध, सिंहनाग के लिए एक भुना हुआ बकरा, नागप्रेती के लिए सिगरेट, सर्पराज के लिए ग्रीन सलाद, नागार्जुन और मेरे लिए कोबरा कॉफी।
अब हम टोनी से सम्पर्क करेंगे। उसे यहां के अन्डर वर्ल्ड की पूरी जानकारी है।
टोनी नागराज का दोस्त। टोनी के बारे में जानने के लिए पढ़ें; नागराज का शानदार कॉमिक्स-'बच्चों के दुश्मन'
टोनी नागराज से मिला।
नागराज! दिल्ली में तुम्हारा स्वागत है।
टोनी! मुझे दिल्ली के अपराध जगत के बारे में पूरी सूचना चाहिए।
टोनी उन्हें अपने साथ ले चला —
दिल्ली के जख्म दिखाने —
नागराज! दिल्ली में इन दिनों एक नये नशे 'स्नोकी' का बोलबाला है।
'स्नोकी'! यह क्या बला है?
नशे के व्यापारी नये किस्म के छोटे-छोटे सांप बेचते हैं। जिनसे डसवाकर इन्हें नशा हो जाता है।

यह नशा स्मैक से बहुत ज्यादा पावरफुल है और इसे लेने में भी कोई झंझट नहीं, सिर्फ 'स्नोकी' से कटवाओ और नशे का आनन्द लो।
और इसका व्यापार किस तरह चल रहा है?
कालेखां यहां का सबसे बड़ा ड्रग पेडलर है। हिन्दुस्तान में वही इस व्यवसाय को चला रहा है।
स्नोकी! हा हा हा मालामाल कर दिया स्नोकी ने।
उसके पास स्नोकी कहां से आता है यह किसी को नहीं मालूम।
किन्तु उसके आदमियों से जितना मर्जी 'स्नोकी' ले लो।
लाओ, निकालो एक स्नोकी के पांच सौ रुपये।
लो भाई लो। जो चाहे ले लो। मैं स्नोकी के बिना जिन्दा नहीं रह सकता।
... और फिर जैसे हर एक नशे में होता है। नशा करनेवाला बहुत बुरी मौत मर जाता है—
आ आ ऽ ऽ ऽ आ
बचाओ मैं मरा।
हिन्दुस्तान की नौजवान पीढ़ी बहुत तेजी से इस नशे की गुलाम होती जा रही है।
क्रोध से कांप उठा नागराज—
टोनी! मुझे बताओ कहां मिलेगा वह शैतान कालेखां। मैं उसे बहुत बुरी मौत मारूंगा।
जरूर नागराज! मैं खुद तुम्हें वहां ले चलूंगा।

उसी रात कालेखां की कोठी को घेर लिया गया—
नशे का कोई भी सौदागर इस कोठी से जिन्दा बाहर न जा पाए।
ऐसा ही होगा नागराज!
अगले ही पल वह अन्दर थे नशे के सौदागरों को मौत की नींद सुलाने के लिए—
सिंहनाग तुम्हें चीर डालेगा मानवता के दुश्मनो!
सर्पराज के सामने जो पड़ा चीख भी ना सका—
अपराधियों का काल हूं मैं।
नागार्जुन— महाभारत के अर्जुन का गांडीव है उसके पास—
सभी पापियों का मस्तक भेद दूंगा मैं!
नागप्रेती के शिकंजे से बचना नामुमकिन है।
नागप्रेती तुम दुष्टों को नरक पहुंचाकर छोड़ेगा।
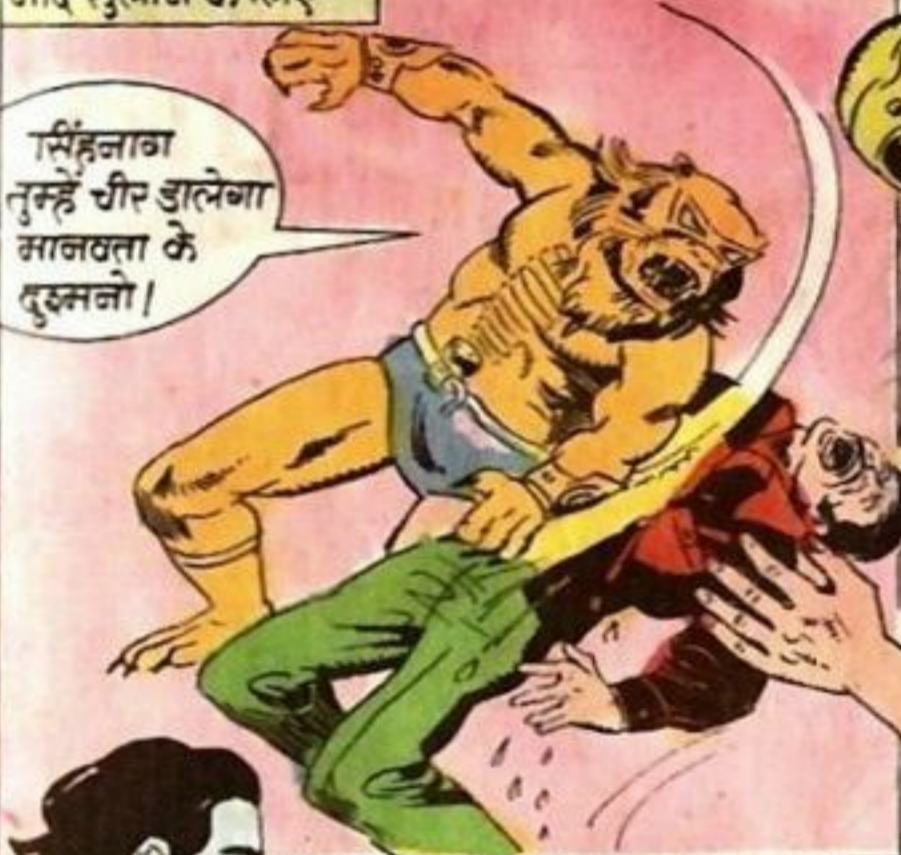
ागदेव तो छुपा रुस्तम है वह अपने हाथों से कुछ हीं करता बस आदेश देता है।
इस शैतान को छोड़ना मत गरुड़दण्ड।
और नागराज —
धड़ाक
ातंकवाद का दुश्मन —
खड़ा हो जा लेखां! देख तेरी त खड़ी है मने।
ीत को झट पहचान लिया कालेखां ने —
नागराज! तुम नागराज हो ना।
हां! काले खां नागराज।
आज तुझे ऐसी नींद सुला दूंगा जो कभी नहीं टूटेगी।
नहीं! नागराज, मुझे माफ कर दो। कोई भूल हुई है तो क्षमा कर दो।
नशा बेचने वाले मासूम जिन्दगियों के किसी भी सौदागर को मैं जिन्दा नहीं छोडूंगा।
नहीं, नहीं, नहीं! तुम जो कहोगे मैं करूंगा नागराज, मुझे मत मारो।

अच्छा तो बता तेरे पास 'स्नोकी' कहां से आता है। और कौन-कौन बेच रहा है इस घातक नशे को।
नागराज! स्नोकी तो आज पूरे विश्व में बेचा जा रहा है और इसका निर्माता है किंग कोबरा और प्रोफेसर नागमणि।
प्रोफेसर नागमणि! वह... वह नीच जिन्दा है। और यह किंग कोबरा कौन हुआ?
यह किसी को नहीं मालूम। हमारे गोदाम अपने आप स्नोकी से भर जाते हैं और इसका पैसा हम नेपाल के ड्रग सम्राट मुशरन को पहुंचा देते हैं, बस।
अगले दिन सुबह दिल्ली पुलिस के हाथ लगी एक बड़ी कामयाबी।
वाह! स्नोकी का व्यापारी सांपों से बंधा हुआ है।
हा हा हा
स्नोकी का एक बड़ा स्टाक बरामद हुआ।
उफ! अगर नागराज इन्हें तबाह ना करता तो इतना स्नोकी देश को बरबाद कर देता।
और फिर एक बड़ी चिता में स्नोकी के पूरे स्टाक को जला दिया गया।
इधर नागराज, नागप्रेती, नागदेव, नागार्जुन, सिंहनाग और सर्पराज उड़ चले नेपाल की ओर –
विदा नागराज!
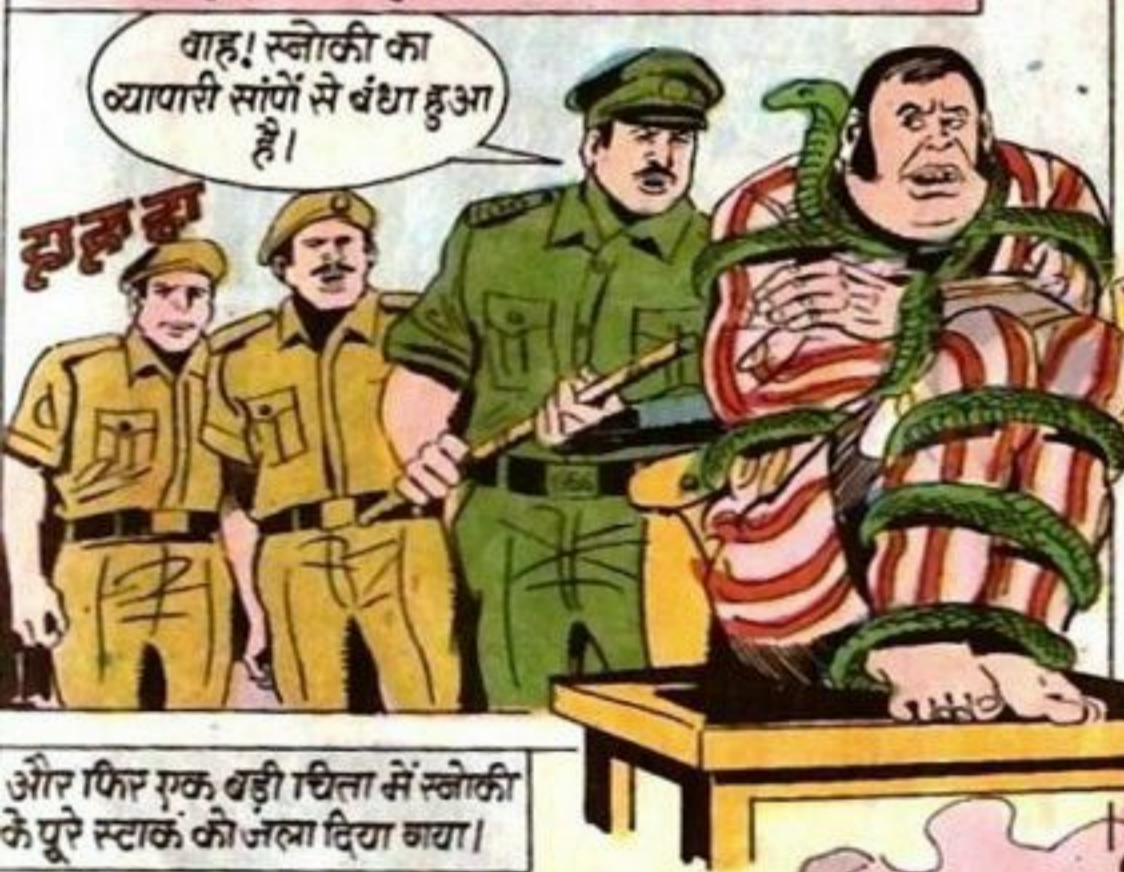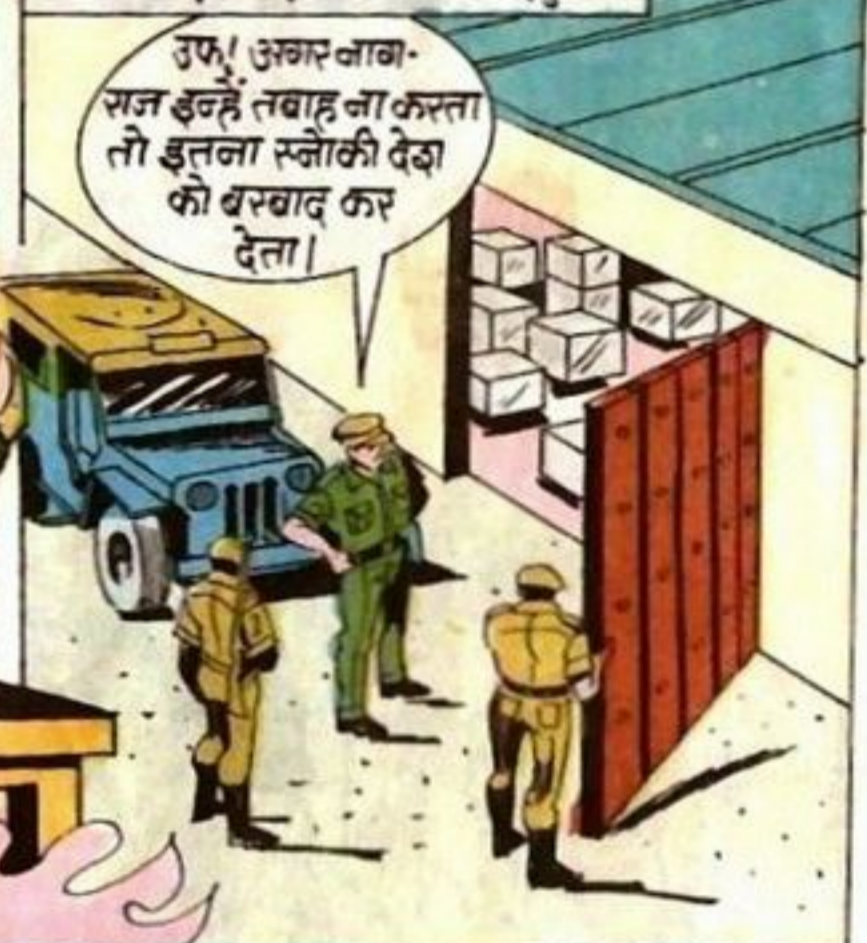
उधर किंग कोबरा के पास यह खबर पहुंची।
किंग कोबरा! भारत में हमारा एजेंट काले खां गिरफ्तार हो गया है। और पुलिस ने माल भी जब्त कर लिया है।
क्या? कैसे हुआ यह?
विश्व आतंकवाद के दुश्मन नागराज ने उसे पकड़वाया है और अब वह मुहास्न को पकड़ने के लिए नेपाल रवाना हो चुका है।
नागराज का नाम सुनकर भड़क उठा किंग कोबरा—
नागराज! तो वह मैदान में आ ही गया किंग कोबरा से टक्कर लेने।
किंकोसी को बुलाओ!
अगले ही पल किंकोसी हाजिर हुआ।
क्या आज्ञा है किंग कोबरा?
किंकोसी, तुम्हें अभी नेपाल जाना है।
नागराज का सिर काटकर लाने के लिए।
जरूर!

पहाड़ियों के बीच बना मुहारन का किला—
किंकोसी मुझे बचालो। नागराज मुझे मारने नेपाल आ चुका है।
किंकोसी के रहते तुम्हारा कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता मुहारन! मुझे बताओ कहां मिलेगा नागराज?
वह नेपाल के प्रधानमंत्री कोहसाला का मेहमान है।

के प्रधानमंत्री हाउस में—
सब कुछ ठीक दिख रहा है फिर भी जाने क्यों किसी खतरे का आभास हो रहा है।
सब हमें ही देख रहे हैं।
इतने मानवों बीच कितना अजीब सा लग रहा है।
नागराज मुझे आटोग्राफ दो।
मुझे भी
मुझे भी आटोग्राफ।
नागराज को गलत आभास कभी नहीं होता।
क्योंकि तभी वातावरण गोलियों के धमाकों से गूंज उठा—
धांय
धांय
धांय
धांय
और अगले ही पल प्रधानमंत्री कोइराला नागराज, नागप्रेती, नागार्जुन, नागदेव, सिंहनाग व सर्पराज के घेरे में आ गए—
कौन हो तुम? क्या चाहते हो?

प्रधानमंत्री की हत्या।
नागराज के रहते ऐसा हरगिज नहीं हो सकता।
तो हम पहले तुम्हें ही मार गिराएंगे।
फायर
आदेश मिलते ही...
...पलभर में नागराज के शरीर में बीसियों गोलियां भर गईं –
धांय धांय धांय
यह दृश्य देखकर हर कोई चीख उठा –
जो जानता था वह भी और जो नहीं जानता था वह भी कि –
नागराज पर गोलियां असर नहीं करतीं हा हा हा।
और अगले ही पल –
अब यह बंदूकें तुम्हारे पास नहीं रहनी चाहिए।
सभी निकम्मे साबित हुए।
और अब वे नागराज के कैदी थे।
सांपों से ही तो सबसे ज्यादा डरता हूं, मैं।
सांप!
टेंव टेंव टेंपोल...

और तभी—
रटरेटरेटरेट रेट
प्रवेश किया वहां काल ने—
यानी किंकोसी ने—
नागराज! यह सब थे सुहरन के निकम्मे आदमी और अब तुम्हारा सामना है किंग कोबरा सिंडीकेट के सेनापति किंकोसी से।
और जब तुम पर गोलियों का असर ही नहीं तो यह स्टेनगन बेकार है।
सब दूर-दूर हट जाएं!
और वह खौफनाक युद्ध देखने के लिए अब सब तैयार थे।
क्या हमें बीच में आना चाहिए।
नहीं, नागराज अपनी लड़ाई अकेला लड़ता है।
किंकोसी ने पहला वार किया—
मुझे अफसोस है कि अब दुनिया नागराज को खो देगी।

नागराज संभला और—
आह!
बहुत ही जबर्दस्त थी
वह फ्लाइंग किक •••
••• और उतना ही जबरदस्त था किंकोसी का यह मुक्का।
नागराज उन मुक्कों की बरसात न रोक पाया—
हथौड़ों की तरह बरस रहे थे वे घूंसे किंकोसी के—
धड़ाक
और नागराज ने किया नागरस्सी का हमला—
नागराज इस हमले को नहीं झेल पाया।
फिर चली किंकोसी की कैंची—
कच
अब तो नागराज को इससे भी बचना था—
और—
धुप्प
किन्तु नागराज पर इस वार का कोई असर नहीं होना था।

कैंची के बाहर आने पर भी नागराज का एक
ा कतरा नहीं टपका–
आं ?
हाँय!
फिर नागराज ने किंकोसी को उठाया और–
नशे के सौदागरो! अब तुम्हारी खैर नहीं।
किंग कोबरा सिंडीकेट के सेनापति! यह गया तेरा दायां हाथ।
नागराज का वह आखिरी घूंसा किंकोसी न सह पाया–
NAGRAJ PUNCH! SOLID PUNCH!!
NAGRAJ THE INVINCIBLE!
HURRAY NAGRAJ

हाहाकार मच गया किंग कोबरा सिंडीकेट में तब जबकि–
किंकोसी मारा गया। झूठ बोलते हो तुम।
यह सच है किंग कोबरा! नागराज ने उसे मार दिया।
गरज उठा किंग कोबरा–
नगीना
पलक झपकने से पहले नगीना किंग कोबरा के सामने खड़ी थी–
नगीना! हमें किंकोसी के हत्यारे का सिर चाहिए।
किंकोसी का हत्यारा!
हां, किंकोसी का हत्यारा नागराज!
नागराज!
मैं जा रही हूं! किंग कोबरा नागराज का सिर लाने!
अब नगीना के जाल से नहीं बच पाएगा नागराज!
चल पड़ी नगीना नागराज के लिए!

नागराज वह सुशस्न का किला घेर चुका था –
नागार्जुन! इन सब गार्ड्स को मौत की नींद सुला दो।
अभी लो नागराज!
देखते ही देखते पहरे पर तैनात सभी गार्ड्स –
मौत की नींद सो गए –
और अब वे सुशस्न के सामने थे –
इस सांप को हटाओ! तुम जो कहोगे मैं करूंगा।
तो हमें किंग कोबरा का पता बताओ।

किंग कोबरा के विषय में तुम्हें केवल हाण्डू बता सकता है।
हाण्डू
हां हाण्डू! सिंगापुर का अपराध सम्राट हाण्डू।
सिंगापुर में कहां मिलेगा वह?
जुरोंग...।
और इससे पहले कि वह कुछ और कहता...
...भयंकर झटका लगा उसे---
धड़ाक
और भयंकर आंधी के बीच...
...सुशरल गायब हो गया वहां से---
हांय, कहां गायब हो गया वह शैतान?
?
?

तभी वहीं गूंज उठी एक भयंकर आवाज़ –
नागराज! यह चला है नगीना का जाल और इससे तुम भी न बच पाओगे।
नगीना! नागराज प्रिया नगीना किंग कोबरा के साथ!
हां, मुहास्त्र को मैंने भेज दिया किंग कोबरा सिंडीकेट और तुम जाओगे मौत के मुंह में!
इससे पहले कि वे कुछ कर पाते –
हा हा हा नगीना का का जाल!
नहीं ऽऽ
पांचों की यह हालत देख नागराज चीख उठा –
नगीना! यह तूने क्या किया इन पांचों को।
घबराओ मत। यह मरे नहीं हैं, खड़े होंगे ये अभी। यही तो है नगीना का जाल! हा हा हा।
नगीना! महात्मा कालदूत की अपराधिन, किंग कोबरा सिंडीकेट के साथ तुम अब ज्यादा दिन आज़ाद न रह सकोगी हत्यारिन!
महात्मा कालदूत! वाह! तब तो यह टक्कर बहुत मजेदार रहेगी।

अच्छा तो नागराज, अब मैं चलती हूं क्योंकि अभी तो तुम्हें बहुत सी लड़ाइयां लड़नी हैं।

लड़ाइयां!

सिंहनाग की चेतना वापस लौट आयी थी।

ओह, सिंहनाग, तुम ठीक तो हो ना?

मैं तो ठीक हूं नागराज, किन्तु अब तुम नहीं बचोगे।

और सिंहनाग ने मानवता के रक्षक पर छलांग लगा दी—

यह क्या हो गया है तुम्हें? उफ!

जय महामना नगीना!

नागराज की मजबूरी, अपनों से लड़ना भी पड़ेगा और उन्हें बचाना भी पड़ेगा—
सिंहनाग के जबड़ों से अपनी गरदन बचानी पड़ेगी।
फिर नागरस्सी ने सिंहनाग को जकड़ लिया—
नागार्जुन ने नागराज पर एक घातक बाण छोड़ा—
नागराज! मेरे बाणों को कैसे रोकोगे?
उफ! यह भी।
नागराज ने बाण वापिस खींचा—
छोड़ा से आओ नागार्जुन!
नागार्जुन गांडीव लिए फिर तैयार था—
मैं हूं नागराज, तुम्हारा राजा।
जय महामला नगीना।
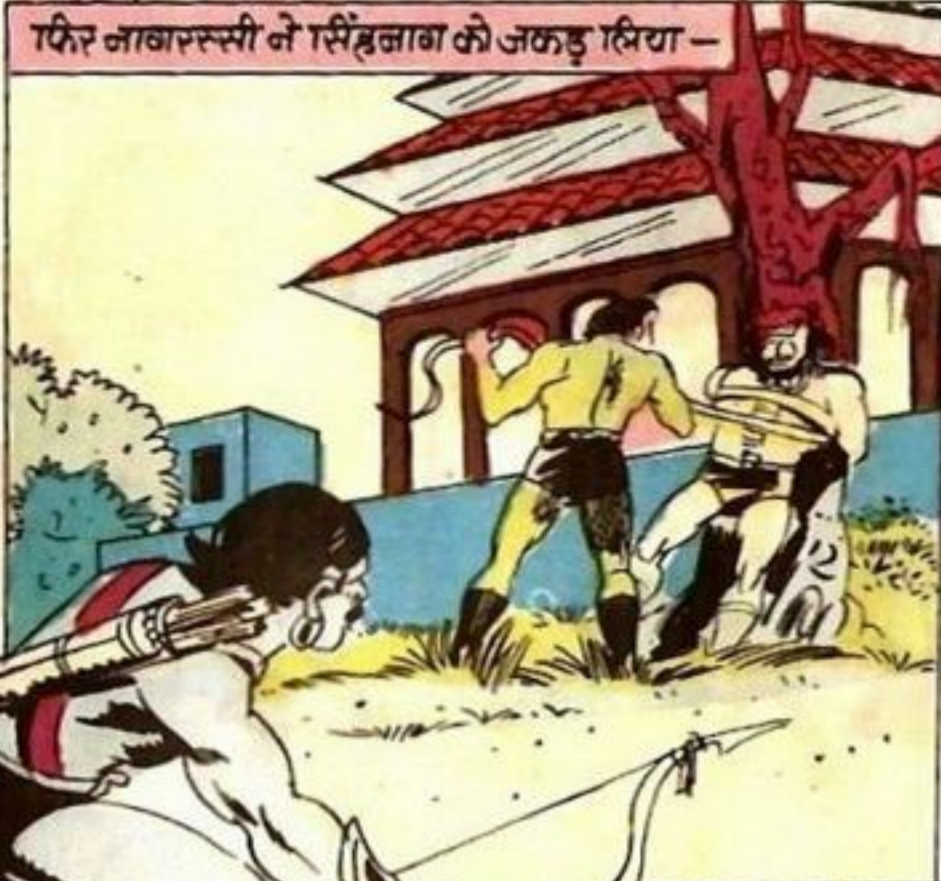
मजबूरन नागराज को नागार्जुन का गांडीव छीनना पड़ा—

हांय!

लाओ, यह गांडीव अब तुमसे छीनना पड़ेगा।

और फिर—

नागार्जुन! तुम सच राह से भटक गए हो!

शीघ्र ही—

तभी—

हा हा हा नागराज! तुम नागप्रेती के शिकंजे में फंस गए हो।

नागप्रेती का कसाव पल प्रतिपल बढ़ता जा रहा था—

अब तुम धीरे-धीरे सूक्ष्म में समा जाओगे और विलीन हो जाओगे यानि गायब। हा हा हा

ऐसा नहीं हो सकता।

नागप्रेती के फौलादी शिकंजे से कोई नहीं बच सकता।

सम्पूर्ण शक्ति लगा दी नागराज ने।

कभी नहीं।

और आजाद हो गया।

धाड़ धाड़
धड़ाक
नागप्रेती भी –
आओ नागप्रेती! तुम भी आओ!
और नागराज से टकराई वह फौलादी गदा भूमण्डा –
हाय
कितनी प्रलयंकारी गदा थी वह!
नागराज के कंधे से टकरा कर पेड़ को तोड़ती हुई गदा वापस सर्पराज के हाथों में आ गई।
नागराज! यह भूमण्डा गदा है। तुम्हारे टुकड़े-टुकड़े कर देगी।
और यह गरुड़ दण्ड तुम्हें पीट-पीटकर बेदम कर देगा।

यह नागराज ही है जो अकेला इन पांच सूक्ष्माओं से मुकाबला कर रहा था–
उफ! इसने मेरा गरुडदण्ड बांध दिया।
महामना नगीना ज़िंदाबाद।
धड़ाक
सर्पराज का पलड़ा भारी था।
गदा नागराज को महंगी पड़ रही थी–
ये सब कितने वफादार सैनिक साबित होंगे यदि मैं इन्हें राह पर लाने में कामयाब हो गया।
सर्पराज ने पैंतरा बदला और
यह क्या कर रहा है?
धम्म
धम्म
धम्म
जाने क्या करना चाहता था वह–
और नागराज के पैरों के नीचे जमीन धंस गई–
हा हा हा
उफ!

देखी ताकत मेरी गदा की, अब होगा...
हा हा हा नागराज का अंत!
महामना नगीना का जाल कामयाब हुआ।
किन्तु तभी-
सट्ट
उछाल दिया दोनों को नागराज की ठोकर ने-
नागराज का अंत असंम्भव है।
हाएं!
अब चट्टानी नागमानव फौलादी गदा भूमण्डा धारी सर्पराज नागराज के प्रचण्ड वार झेल रहा था-
ढिशुम
ढिशुंम
धाड़!
सर्पराज! मैं अपनी विष फुंफकार से तुम्हें बेहोश करने जा रहा हूं।

किन्तु जो वह चाहता था वह कर न सका—
नागदेव की दाढ़ी ने उसे धूल चटा दी—
और तभी संयुक्त शक्ति के फलस्वरूप—
नगीना जिन्दाबाद
तीनों नागरस्सी के बंधन से आजाद हो गये।
और नागराज नागदेव की दाढ़ी के बंधन में पूरी तरह कैद हो गया था।
नागराज! तुम्हारा आखिरी वक्त आ गया है। बोलो नगीना जिन्दाबाद!
गुरु गोरखनाथ जिन्दाबाद! महात्मा कालदूत जिन्दाबाद!
मेरा यह बाण तुम्हारा सारा जहर सोख लेगा नागराज!
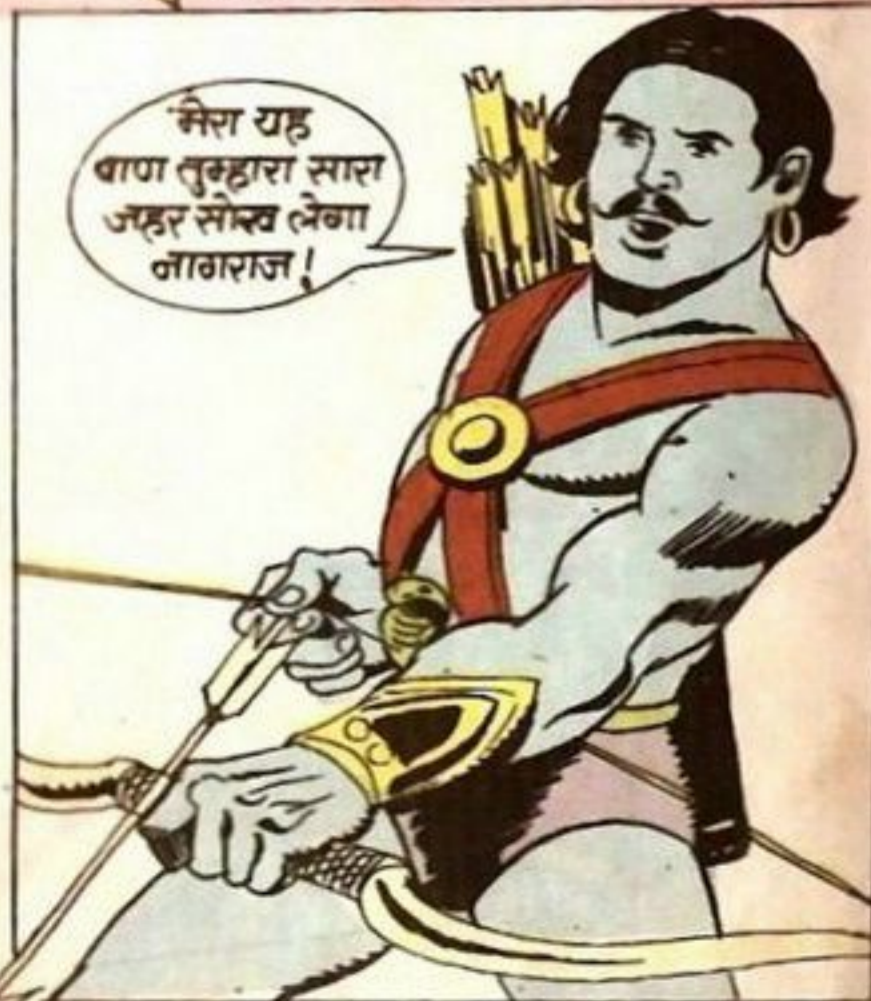
मेखण्डा गदा तेरे शरीर को हजारों टुकड़ों में बांट देगी नागराज!
गरुड़ दण्ड चीखने तक का भी अवसर नहीं देगा तुझे।
और चल पड़ी तीनों की शक्तियां नागराज का अंत करने—
नागराज बेबस खड़ा अपनी ओर बढ़ती मौत को देख रहा था—
किन्तु इससे पहले कि मौत नागराज से टकराती—
चिर्र्र

बीच में आ गया—
महात्मा कालदूत का—
कालसर्पी—
कालसर्पी
तुम पांचों को राह से भटकता देख महात्मा कालदूत ने मुझे भेजा है। नागराज की मदद को।...
ओह! तो महात्मा कालदूत दिव्य दृष्टि से यहां का सब हाल देख रहे हैं।
—और तुम्हें सबक सिखाने।
फर्र्र
ओह!
ओह!

ांचों बेहोश होकर गिर पड़े —
अब जब ये होश में आएंगे तो इन पर से नगीना का जादू टूट चुका होगा।
ादेव के बेहोश होते ही नागराज उसके बंधन से आजाद हो गया।
और जब उन्हें होश आया —
नागसम्राट नागराज! हम अपने किए पर शर्मिंदा हैं।
इसमें तुम्हारी कोई गलती नहीं थी। यह सब नगीना के भ्रमजाल का नतीजा था।
पांचों को राह पर लाने के बाद कालसर्पी वहां से गायब हो गया।
र वे नेपाल में नहीं रुके —
सिंगापुर अपराध सम्राट हाण्डू।
ांगी इन्टरनेशनल एअरपोर्ट सिंगापुर —
पहले
टल रैफ्लस।
र जुरोंग।
अपराध सम्राट हाण्डू —
विश्व भर में स्नोकी की बिक्री का जो पैसा कलेक्ट हुआ है वह GOLD के रूप में कल किंग कोबरा क्राउ इस भेजना है आटोमेटिक कम्प्यूटराइज्ड प्लेन द्वारा।
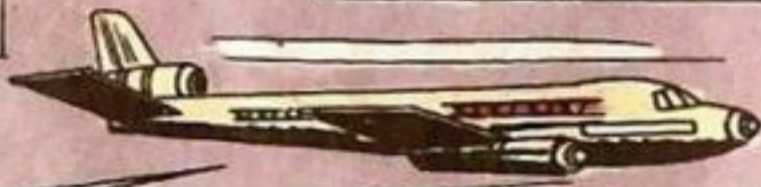
फिर हाण्टू पहुंचा अपनी स्पेशल स्नेक सकर स्क्वायड के पास—
कैप्टन कहो, सर्प पकड़ने का काम कैसा चल रहा है?
बहुत अच्छा ग्रेट हाण्टू!
यह स्नेक सकर गन हम जिस भी बिल में लगाते हैं उस बिल का प्रत्येक सांप इस गन में कैद हो जाता है।
शाबास कैप्टन! हमें गर्व है कि हमारी स्क्वायड पूरे सिंगापुर से सांप इकट्ठे करके किंग कोबरा के पास भेज रही है।
इन्हीं सांपों से वे स्नोकी का निर्माण करते हैं। जो फिर हमारे पास आता है और हम उसे पूरे विश्व में सप्लाई करते हैं।
यस ग्रेट हाण्टू!
अब यह माल आप प्लेन पर पहुंचाएं। कल हमें यह सप्लाई कोबरा क्लाउडस पहुंचानी है।
जरूर ग्रेट हाण्टू!
हाण्टू चल दिया प्लेन चार्जिंग सेंटर की तरफ—
किंग कोबरा मुझसे कितने खुश होंगे।

आटोमेटिक कम्प्यूटराइज्ड प्लेन-
ग्रेट हाण्टू! प्लेन पर सोना और सांप लादे जा चुके हैं। प्लेन कल टेक आफ करने के लिए बिल्कुल तैयार है।
वैरी गुड जेन्टलमेन! कल ठीक समय पर यह प्लेन कोबरा क्लाउड्स के लिए उड़ जाना चाहिए।
और फिर हाण्टू आ गया अपने महल में।
महामना नगीना! हाण्टू के महल में आप लोगों को किसी तरह की तकलीफ तो नहीं है?
हम यहां मजे में हैं हाण्टू! नागराज सिंगापुर आ चुका है। बस, उसे समाप्त कर हम यहां से कूच कर जाएंगे।
यह आपका ही महल है महामना!
और नागराज घूम रहा था 'जुरोंग क्रोकोडाइल पैराडाइज' में सर्पराज के साथ-
नागराज! क्या हम सिंगापुर यह मगरमच्छ देखने आए हैं।
मुशरन ने गायब होने से पहले 'जूरोंग' ही बोला था सर्पराज, और इसीलिए हम यहां हाण्टू को ढूंढने आए हैं।

तभी शांत स्थिर झील में उठा जलजला —

उफ! यह क्या है?

भागो!

भागो!

एक बहुत भयंकर प्राणी झील के बाहर आ चुका था —

सिसे पहले की मकरासुर कुछ
ने पहुंचा पाता –
ड़ा
टुकड़े-
कर
भूमण्डा ने वाकई मकरासुर का मस्तक छिन्न - भिन्न कर दिया –
धड़ाक
अगले ही पल मकरासुर नीचे आ पड़ा –
वाह! सर्पराज! भूमण्डा कमाल की चीज है वरना यह दानव इतनी आसानी से न मरता।
भूमण्डा में और भी कमाल है नागराज।
ी भागते हुए नागदेव, सिंहनाग, नागप्रेती व नागार्जुन उनके करीब आ पहुंचे।
बाहर हमें जैसे ही
खबर लगी कि अन्दर एक
य आ गया है तो हम खुद
को आने से ना रोक
सके।
मैंने इसीलिए तुम्हें बाहर छोड़ा था कि जरूरत पड़ने पर तुम आ सको।
फिर वे वहां से निकल चले –
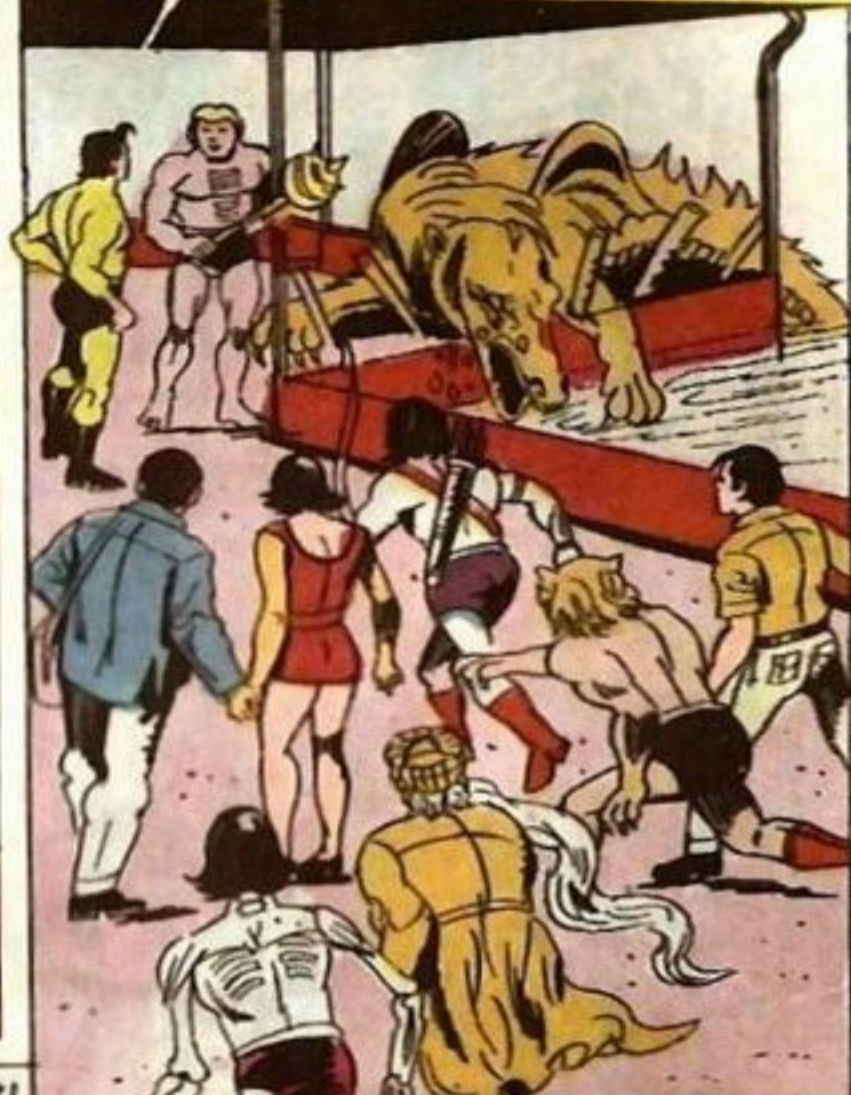
* मिस किलर और नागराज की रोमांचक टक्कर विशेषांक 'नागराज और सुपर कमाण्डो ध्रुव' में।

गराज ने एक जबरदस्त किक
ी खरुड़ा की नाक पर —
और नागप्रेती ने उछलकर अपने फौलादी शिकंजों में जकड़ लिया खरुड़ा को।
क्रियाऽऽऽऽ
शिकंजे का कसाव धीरे - धीरे बढ़ता जा रहा था —
और खरुड़ा धीरे - धीरे समाता जा रहा था नागप्रेती के शरीर में —
अगले कुछ ही पल में खरुड़ा पूरी तरह विलीन हो गया —
उफ़! अगर मैं इसके शिकंजे से ना छूटता तो मेरा भी यही हश्र होता।
वाह! आज पेट भरा है कितने दिनों बाद।
नागराज एण्ड पार्टी निराश होकर चल पड़ी —
नागराज! लगता है सिंगापुर में हम हाण्टू को नहीं खोज पाएंगे।
हिम्मत न हारो! हाण्टू हमें जरूर मिलेगा।

अचानक नागराज उछल पड़ा —

OHMIGOSH
JURONG
JURONG PALACE

JURONG PALACE

आश्चर्य से उछल पड़े बाकी सब भी —

हां नागराज! जुरोंग पैलेस! हो न हो यहीं हाण्टू का अड्डा होगा।

मेरा दिल कह रहा है, हमें अपनी मंजिल मिल गई है।

हम सबको अंदर घुसना है, किन्तु छुपकर ऐसे कि इन गार्ड्स को पता न चल सके।

किन्तु अब वे मक्षिकेना से नहीं जीत पाएंगे।
मक्षिकेना यानि म कड़ा बि च्छू के कड़ा और नगी ना की संयुक्त शक्ति।
नगीना के जाल का सबसे ताकतवर हथियार।
और अंत में –
हम चारों को हवन में अपना-अपना लहू गिराना होगा।
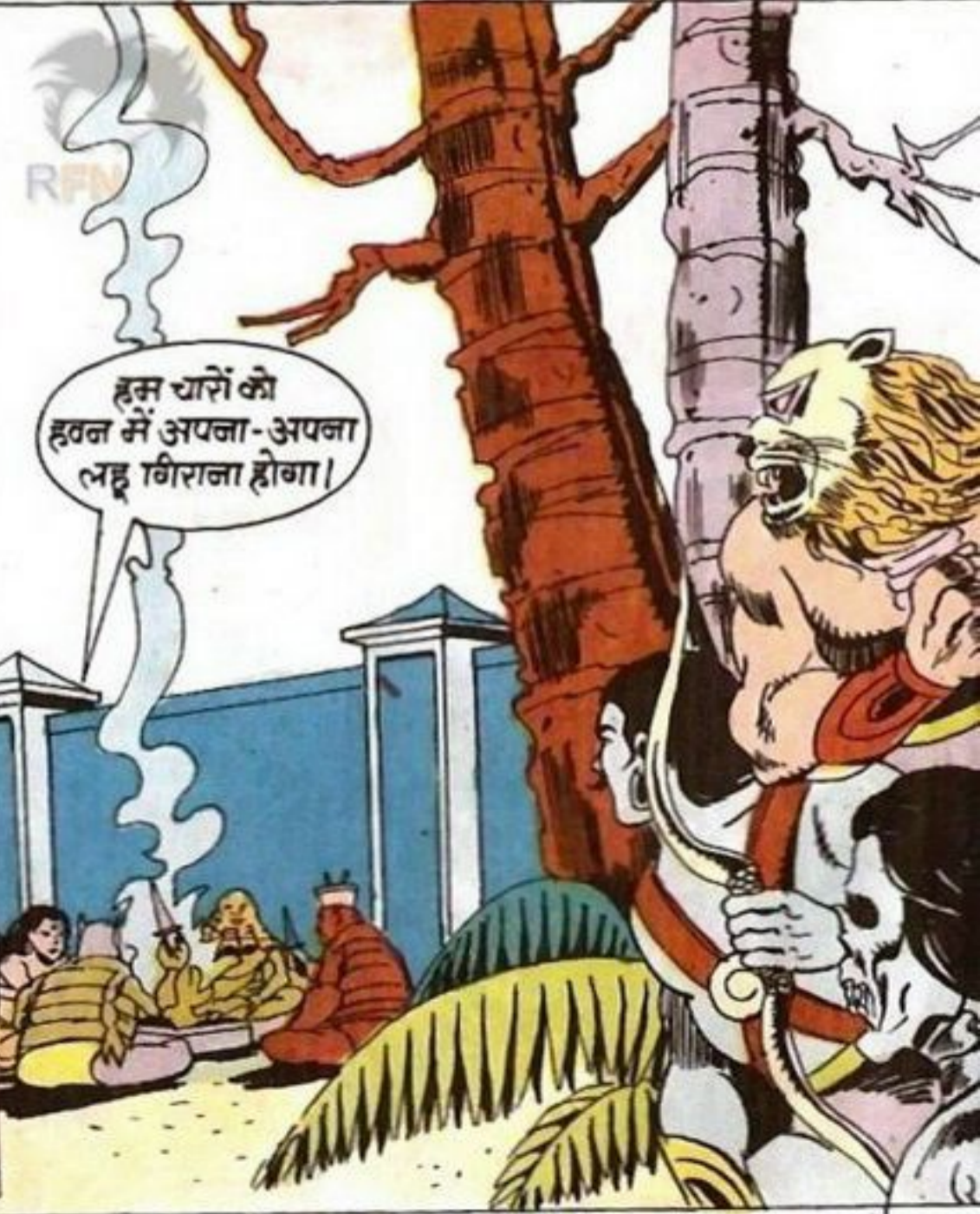
और अचानक अग्निज्वाले के बीच
प्रकट हुआ मकिकेना
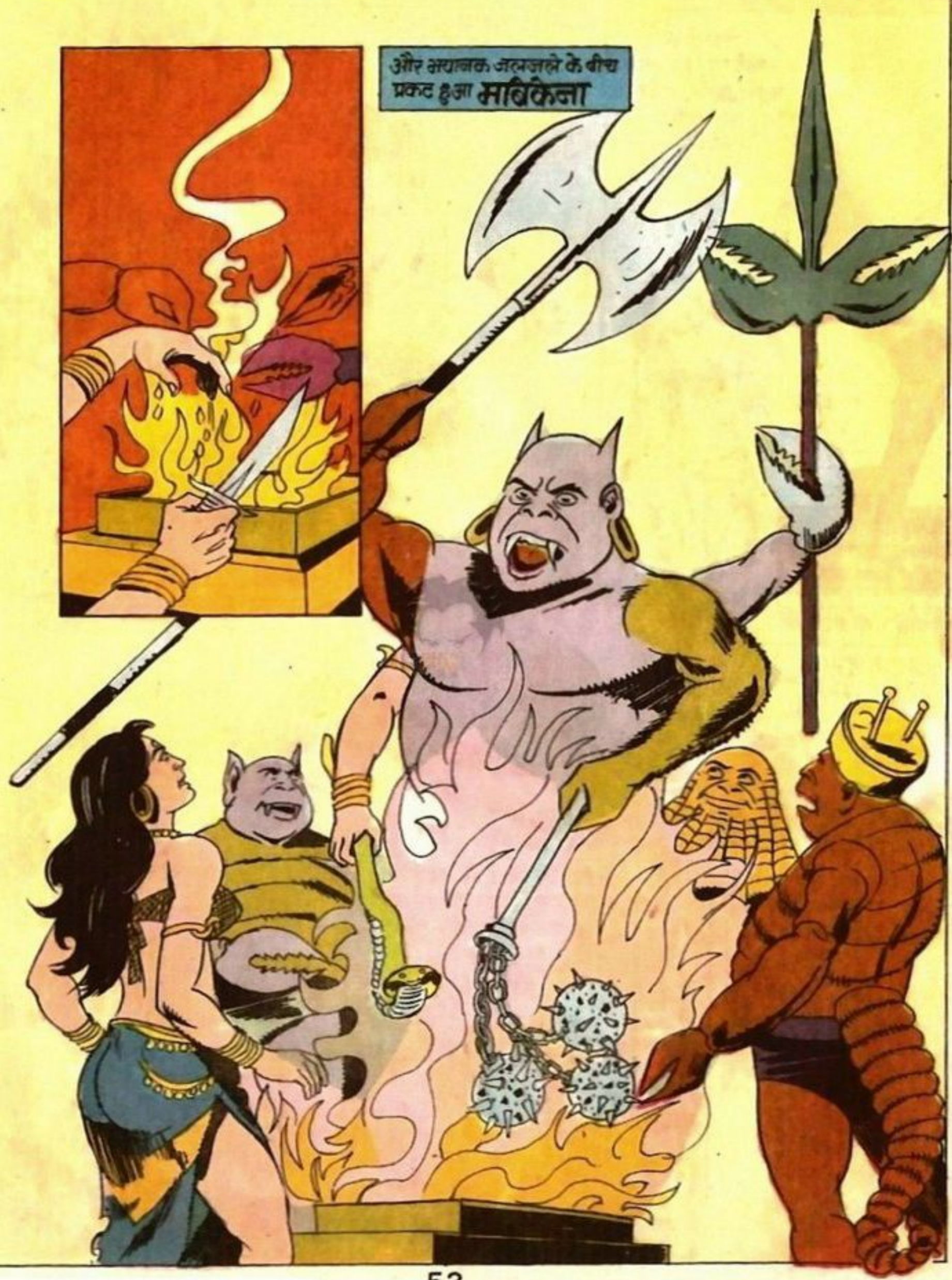
नगीना ने मक्षिकेना का तिलक किया—
विजयी बनो मक्षिकेना! हमें नागराज व उसके साथियों के सिर चाहिए।
जो हुक्म महामना नगीना!
किन्तु मक्षिकेना को अपना उद्देश्य पूर्ति को कहीं न जाना पड़ा—
नागराज खुद मक्षिकेना के सामने आ गया—
तो यह तुम्हारी आखिरी कोशिश है नगीना, तो क्यों ना इसे भी अजमा लूं।
अचंभित रह गये चारों—
नागराज यहां!
नागराज!
नागराज!
हां नागराज, यहां हाण्डू के महल जुरोंग पैलेस में तुम सबको तबाह करने के लिए।
नगीना! तुमसे तो मैं निबटूंगा ही, बचेंगे हाण्डू, किंग कोबरा और नागमणि भी नहीं।
किंग कोबरा और नागमणि का तुम कुछ नहीं बिगाड़ सकते नागराज! वह बहुत ऊंची हस्ती हैं।

और हाण्टू वह किंग कोबरा का सबसे खास साथी है। उसका तो एक प्लेन आज भी किंग कोबरा क्लाउडस पर आ रहा है। रोक सको तो उसे ही रोक लेना।
लो वह आ गया हाण्टू, जिसके दर्शन को तुम तड़प रहे थे।
क्या हुआ महामना नगीना, कौन है ये?
नगीना ने हाण्टू को नागराज व सबिकेला के बारे में बताया।
सबिकेला! बातें बहुत हो चुकी अब इसे यमलोक पहुंचा दो।
जो हुक्म महामना!
सबिकेला कंटीलसूत घुमाता नागराज पर झपटा —
यह मकड़ास्वाद् का हथियार है कंटीलसूत!
सबिकेला तुझसे लड़ने में वाकई मजा आएगा।
कंटीलसूत का जबरदस्त प्रहार पड़ा नागराज के चेहरे पर —
उफ!

अब करा मांबिकेना ने 'चीरचला' का वार–
इन प्रलयंकारी हथियारों से तेरे सारे शरीर को छलनी कर दूंगा।
उफ! यह है केकड़ाकंट का हथियार चीरचला।
शाबास मांबिकेना!
नागराज को मार खाता देख नगीना का उत्साह दोगुना हो गया था –
मांबिकेना! तेरी निर्मात्री नगीना को तुझ पर गर्व है! मार डाल इसे। हा हा हा
मांबिकेना ने वृश्चिका को आजमाया –
यह बिच्छू धड़े का हथियार वृश्चिका मेरा कोई अंग न काट डाले।
और–
महामना का प्रलयंकारी नागदण्ड–सर्पक
ओह!
उफ!

नागराज पर नाथिकेना को हावी होते देख पांचों कुछ सोचने पर मजबूर हो गए –
हमें नागराज की मदद करनी होगी।
और उनकी पुकार पर नागराज ने समा लिया पांचों को अपने अन्दर ही –
इच्छाधारी नागराज! शक्ति नागराज!
इस तरह के संयुक्त शक्ति रूप केवल नागराज के लिए ही संभव हैं।

और अब शक्ति नागराज तैयार था मक्षिकेना से मुकाबले को –

आओ मक्षिकेना! अब करो मुझ पर वार।

मक्षिकेना ने किया सर्पक का शक्ति प्रहार –

धमाक

सर्रई

नागराज के अगले प्रहार ने–

सर्पक को चूर-चूर कर दिया।

उसी के साथ लगा नगीना को एक तीव्र झटका –

उफ़! मेरी शक्ति सर्पक का नाश।

मक्षिकेना ने वृश्चिका का प्रहार किया -- नागराज के हाथ में नजर आने लगी भूमण्डा

भूमण्डा के आगे वृश्चिका शून्य है।

सिंहनाग की शक्ति ने तोड़ा कंटीलमूठ का प्रहार –

ये तोड़ा सिंहनाग के पंजों ने कंटीलमूठ को।

'चीर चला' को काटा नागार्जुन के वज्र बाण ने –

मक्षिकेना! अब क्या रह गया है तुझ पर आजमा ले।

मखिकेना तुझे अपने बाहुबल से जीतेगा नागराज!
नागराज भी तुझे अपना फौलाद ही दिखाएगा मखिकेना!
आजा!
नागराज ने मखिकेना को दबोच लिया –
तुझे दिखाता हूं मखिकेना कि किसकी बाजुओं में ज्यादा दम है।
कुछ करो मखिकेना! तुम हारने वाले हो।
मखिकेना बहुत छटपटाया, किन्तु नागराज का शिकंजा पल प्रतिपल बढ़ता जा रहा था –
ओह! यह मुझे क्या हो रहा है?
मखिकेना को आखिरी समय में नागराज की शक्ति का अहसास हुआ।
मखिकेना, तुम तो गए समझो।
तुम अजेय हो नागराज!
अंततः मखिकेना नागराज के शरीर में विलीन हो गया –
यह था कमाल नागप्रेती की अद्भुत शक्ति का
क्यों नगीना! कुछ और बाकी रह गया हो तुम्हारे जाल में तो उसे भी भेज दो
उफ! हमारा शक्ति स्तम्भ गिर गया। टूट गया नगीना का जाल। अब हम इसे नहीं रोक सकते। भाग चलो यहां से।

ना सरदार मकड़ास्वाद, केकड़ाकंट, खूधड़ा के साथ सुरक्षा घेरे में कैद उड़ चली —
हम इसका कुछ नहीं बिगाड़ सकते। किंग कोबरा खुद सोचेगा, इसका क्या करना है। हम तो चले।
भाग कहां रही हो नगीना। आओ लड़ो मुझसे।
मुझे भी साथ ले लो नगीना!
एक तरफ को भागा —
मैं आटोमेटिक प्लेन पर सवार हो जाऊंगा। वह कोबरा क्लाउड्स की तरफ उड़ान भरने ही वाला है।
राज कहर बरपाता हुआ हाण्ड पीछे भागा —
हाण्ड अपनी विशेष कार पर सवार हुआ —
अब मुझे किंग कोबरा ही बचा सकता है।
कार पटरियों पर दौड़ पड़ी —
मैं आ रहा हूं हाण्ड! तेरा पीछा किंग कोबरा तक नहीं छोड़ूंगा मैं।
उफ! प्लेन उड़ने में कुछ ही मिनट बाकी हैं।
कार लांचिंग स्टेशन पर पहुंची —
बस कुछ ही पल।
गजब की फुर्ती दिखाई हाण्ड ने।

और अब नागराज वहां पहुंचा हाण्टू प्लेन पर सवार हो चुका था –
तो हाण्टू किंग कोबरा के पास जाने वाले इस प्लेन पर सवार हो गया है, मैं भी इस प्लेन द्वारा किंग कोबरा तक पहुंच सकता हूं।
किन्तु इससे पहले कि नागराज प्लेन पर चढ़ता एक जबरदस्त धमाके के साथ –
प्लेन उड़ गया। उफ! अब क्या करूं?
नागराज की मिसाइल लांचिंग स्टेशन का चीफ इंजीनियर
तुम मेरे गुलाम हो जैसा मैं कहूंगा, तुम करोगे।
हां, मेरे आका जो आप कहोगे मैं करूंगा।
नागराज ने प्लेन के प्रोग्रामिंग में करवाई कुछ सेटिंग –
किंग कोबरा क्लाउडस में पहुंचते ही प्लेन ब्लास्ट हो जाना चाहिए जिससे हाण्टू के साथ किंग कोबरा व नागमणि का भी अन्त हो सके।
मैंने ऐसी प्रोग्रामिंग कर दी है कि किंग कोबरा के अड्डे पर पहुंचते ही विमान में धमाका हो जाएगा।
ब्लास्ट हुआ, किन्तु कोबरा क्लाउडस से बहुत पहले –
यह तो अच्छा हुआ प्रो॰ नागमणि कि हम अपनी क्लोज सर्किट स्क्रीन पर सब कुछ देख रहे थे और हमने यह ब्लास्ट क्लाउडस से पहले ही करवा दिया, वरना हाण्टू के साथ हम भी मरते।
ठीक फरमाया किंग कोबरा।
धड़ाम
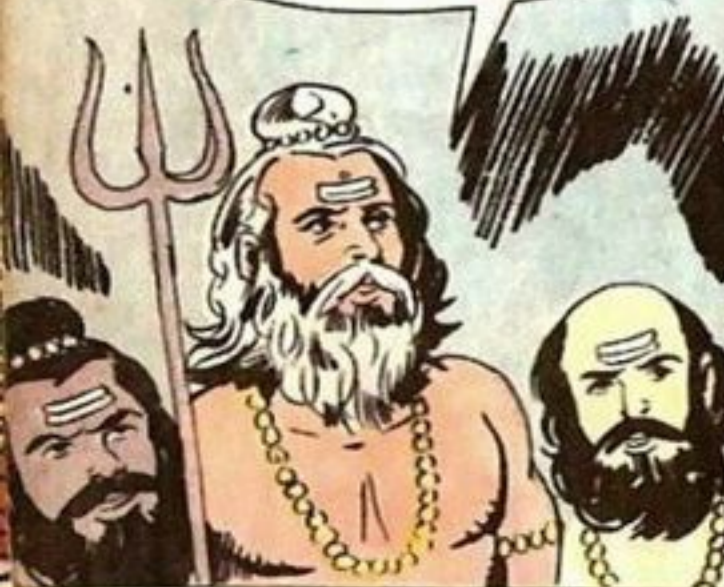
क्रोध से बुरी तरह उफन रहा था किंग कोबरा –
नागराज ने मेरा पूरा 'स्नोकी प्रोजेक्ट' तबाह कर दिया। बड़ा भारी नुकसान पहुंचाया है उसने हमें नागमणि!
हां किंग कोबरा, और हमें अब यह अड्डा भी बदलना होगा।
नागराज को एक दिन इसका बदला चुकाना होगा।
जरूर किंग कोबरा, नागमणि आपके साथ है।
क्रोध से भुनभुनाते हुए दोनों अब एक लम्बे अरसे के लिए शांत हो जाने के लिए मजबूर हो गए –
और नागराज वह अभी यही सोच रहा था कि किंग कोबरा व नागमणि धमाके में मर चुके होंगे। अपनी इस सफलता पर अत्यन्त प्रसन्न था वह विश्वभर से स्नोकी का आतंक जो समाप्त हो चुका था –
धन्यवाद! पांचों शक्तियो, तुम्हारे बिना यह कार्य असम्भव था!
नागराज, मैं तुम्हारी सफलता पर अत्यंत प्रसन्न हूं। नगीना तुमसे पराजित होकर भाग गई है, अब उसे अपनी शक्तियां दोबारा पाने में बहुत समय लग जाएगा।
और अगर वह फिर कभी दोबारा सामने आई तो मैं उसे जिन्दा नहीं छोड़ूंगा।
नागराज के प्यारे पाठको, आपको यह चित्रकथा व इसके सभी चरित्र कैसे लगे। इस बारे में हमें अपने पत्र जरूर लिखें :
आपका – संजय गुप्ता, १६०३, दरीबाकलां, दिल्ली - ११०००६